MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 04 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-213

PK भूचाल

30 साल पुराने भाजपा क़िले को ढहाया

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति के समीकरणों को दिखाती हुई एक सीरीज आई थी. नाम था महारानी। इसका एक डॉयलॉग सोमवार की शाम पटना के चौक चौराहों पर होने वाली चर्चाओं के लिए एकदम फिट बैठता है. डायलॉग था, बिहार की एक खासियत है. जब-जब आपको लगेगा कि आप बिहार की राजनीति को समझ गए हैं, बिहार आपको झटका देता है।

3 अगस्त 2026...बिहार ने ऐसा ही झटका दिया। ज्यादा दिन नहीं हुए हैं। बिहार ने बीजेपी को झोली भर-भरकर वोट दिया था। एनडीए को 202 सीटें मिलीं। ये मात्र 9 महीने पहले की बात है. लेकिन सोमवार को पाटलिपुत्र की राजनीति में एक ऐसा दिन दर्ज हुआ जिसने सत्ता के गलियारों में हलचल मचा दी। पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर वह हुआ, जिसकी कल्पना भी बीजेपी के रणनीतिकारों ने नहीं की होगी। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी के करीब तीन दशक पुराने गढ़ को ढहा दिया। चुनावी रणनीतिकार के तौर पर नेताओं को जीत का रास्ता दिखाने वाले पीके ने पहली बार खुद चुनावी मैदान में कदम रखा और अपने पहले ही मुकाबले में बीजेपी को सीधी मात दे दी। यह सिर्फ एक उपचुनाव की हार-जीत नहीं थी। यह उस राजनीतिक संदेश का ऐलान था कि बिहार में अब मुकाबला पुराने समीकरणों से आगे बढ़ चुका है। बांकीपुर का जनादेश बता रहा था कि राज्य की राजनीति में एक नया खिलाड़ी सिर्फ दस्तक नहीं दे रहा, बल्कि सत्ता की बिसात पर अपनी जगह भी बना रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की सीट बीजेपी ने गंवाई

ध्यान रखिए, पीके ने कोई सामान्य सीट नहीं जीती है। ये बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट है। नितिन नवीन ने पांच बार ये सीट जीती है. उनसे पहले उनके पिता इस सीट से जीत चुके हैं। कहना यह है कि बीजेपी का ये किला 30 साल पुराना था। पटना शहर में मौजूद इस सीट पर शहरी कायस्थ और बनिया वोटरों के दम पर बीजेपी इस सीट पर बड़े गौरव के साथ दावा करती थी। उसे अपने शहरी मतदाता वर्ग पर भरोसा था, लेकिन बीजेपी इसमें पड़ी दरार को नहीं देख पाई।

लालू-राबड़ी लहर में भी खिला था कमल

बीजेपी ये सीट 1995 से जीतती आई है। यहां 1995 में नितिन नवीन के पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने लालू-राबड़ी लहर में जीत दर्ज की थी। वे 2000 और 2005 में भी जीते। 2005 में नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के निधन के बाद इस सीट पर नितिन नवीन की लॉन्चिंग हुई। 2006 में वे पहली बार इस सीट पर जीते।

▶8पर

दतिया उपचुनाव : कांग्रेस ने भाजपा को फिर पछाड़ा

भोपाल/दतिया। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट के उपचुनाव में कांग्रेस ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पराजित कर सीट बरकरार रखी। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6016 मतों से शिकस्त दी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम परिणाम के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह को 66,757 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को 60,741 मत मिले। दोनों के बीच जीत का अंतर 6016 मत रहा।

मांजलपुर उपचुनाव : भाजपा की धमाकेदार विजय

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार जीत दर्ज की।

भाजपा उम्मीदवार सतेंद्र भाई पटेल (सतीश पटेल) ने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी को 30630 वोटों के बड़े अंतर से हराकर इस सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रखा है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार भाजपा प्रत्याशी श्री पटेल ने कुल 20 दौर की गणना में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी से 30630 मतों पराजित किया।

हरा-भरा रंगम!

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 3 अगस्त।

हैदराबाद स्थित आस्था का केंद्र व ऐतिहासिक श्री उज्जयिनी महांकाली मंदिर, जनरल बाजार-सिकंदराबाद में सोमवार सुबह लगभग 8:30 बजे बोनालु महोत्सव के समापन अवसर पर पारंपरिक रंगम (दैवीय संदेश) अनुष्ठान श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर देवी की माध्यम (मठंगी) स्वर्णलता ने मंदिर प्रांगण में स्थापित पवित्र पात्र पर खड़े होकर हजारों श्रद्धालुओं, प्रधान पुजारियों, देवस्थानम समिति के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में माँ महांकाली का दिव्य संदेश सुनाया। तड़के से ही श्रद्धालुओं का सैलाब मंदिर परिसर में उमड़ पड़ा था। माँ के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच संपन्न हुआ यह अनुष्ठान बोनालु महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक क्षण माना जाता है, जिसमें देवी का संदेश आगामी वर्ष के लिए आशीर्वचन और मार्गदर्शन के रूप में स्वीकार किया जाता है।रंगम (भविष्यवाणी) के दौरान माँ महांकाली के संदेश में प्रचुर एवं मूसलाधार वर्षा, कृषि के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ तथा जलाशयों, तालाबों और जलस्रोतों के भरने का संकेत दिया गया। किसानों के लिए यह वर्ष सुखद एवं फलदायी रहने की कामना व्यक्त की गई। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं, अग्निकांडों, सड़क दुर्घटनाओं तथा अन्य अप्रत्याशित घटनाओं के प्रति समाज और शासन-प्रशासन को सतर्क रहने का संदेश भी दिया गया। माँ के दिव्य संदेश में बढ़ते अहंकार, नैतिक मूल्यों में गिरावट तथा पारिवारिक और सामाजिक संबंधों में आती दूरियों पर चिंता व्यक्त करते हुए धर्म, सदाचार, मानवता, करुणा और आपसी सौहार्द के मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। जनकल्याण, न्यायपूर्ण व्यवस्था और समाज की सुरक्षा के लिए उत्तरदायित्व निभाने का संदेश भी दिया गया। श्रद्धालुओं ने इन वचनों को माँ महांकाली के पावन आशीर्वचन के रूप में श्रद्धापूर्वक स्वीकार किया। रंगम केवल भविष्यवाणी का अनुष्ठान नहीं, बल्कि तेलंगाना की प्राचीन लोक-धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है।

▶8पर

पीओके में पीएमएल-एन

नवाज़ शरीफ़ 'प्रधानमंत्री'!

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां) पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में हुए खूनी टकराव के बीच चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। यहां शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने जीत हासिल की है और सरकार बनाने की स्थिति में है। लेकिन यहां ट्विस्ट है। लंदन से लौटे और कई महीनों से बैकडोर से सरकार चला रहे नवाज शरीफ ने पहले इच्छा जताई थी कि वे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। अब चुनाव नतीजों के बाद शहबाज शरीफ के सामने बड़ा सवाल है क्या वे भाई की इच्छा पूरी करेंगे? जुलाई 2026 के अंत में शुरू हुए पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हो रहे हैं। 27 जुलाई को पहले चरण में मीरपुर डिवीजन की 13 सीटों में से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने नौ सीटें जीतीं, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को चार मिलीं। 2 अगस्त को दूसरे चरण में हुए चुनाव में मुजफ्फराबाद डिवीजन और शरणार्थी सीटों पर भी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का दबदबा रहा। आधिकारिक और अनौपचारिक नतीजों के अनुसार पार्टी ने घोषित सीटों में से अधिकांश पर कब्जा जमा लिया।

कुल मिलाकर पहले दो चरणों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के खाते में करीब 23 सीटें आ चुकी हैं, ये बहुमत का भी आंकड़ा है। तीसरा चरण 10 अगस्त को पूनच डिवीजन में होना है, लेकिन मौजूदा नतीजे साफ संकेत देते हैं कि पार्टी अकेले या आसानी से सरकार बना सकती है। ▶8पर

शिव सरकार का विस्तार

19 विधायकों ने ली मंत्री पद शपथ

बेंगलुरु, 03 अगस्त (एजेंसियां) कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया। इस दौरान कांग्रेस के 19 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। हालांकि, जिन 20 नामों को पार्टी ने मंजूरी दी थी, उनमें शामिल इकलौती महिला नेता गायत्री शांतेगौड़ा ने शपथ नहीं ली। कैबिनेट विस्तार से पहले मंत्री पद नहीं मिलने पर एक विधायक ने इस्तीफा दे दिया, जबकि कई नेताओं की नाराजगी भी सामने आई थी। बेंगलुरु के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के करीब दो महीने बाद यह पहला कैबिनेट विस्तार है।

सोमवार को जिन 19 विधायकों को मंत्री बनाया गया, उनमें एन. चेलुवरायस्वामी, बसवराज रायरेड्डी, लक्ष्मण सावदी, मधु बंगारप्पा, एसएस मल्लिकार्जुन, बी नागेंद्र, एचसी बालकृष्ण, केएस बसवन्तप्पा, डॉ. अजय सिंह, पीएम नरेंद्रस्वामी, सी. पुत्तरंगा शेट्टी, टीआर रघुमूर्ति, रिजवान अरशद, शिवराज तंगडागी, रुद्रप्पा लमानी, बीजेड जमीर अहमद खान, संतोष लाड, केएम शिवलिंगे गौड़ा और विजयानंद कशप्पनवर शामिल हैं। कांग्रेस आलाकमान ने 20 मंत्रियों के नामों को मंजूरी दी थी। इसमें गायत्री शांतेगौड़ा का नाम भी शामिल था। लेकिन, सोमवार को हुए शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने शपथ नहीं ली। गायत्री हाल ही में चिकमगलूर स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से कर्नाटक विधान परिषद के लिए चुनी गई हैं। यह सीट सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिसंबर 2021 में चुने गए बीजेपी नेता एमके प्राणेश का चुनाव रद्द किए ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

सबसे ज्यादा तेल रूस से!

फिर भी अमेरिका चुप, कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और रूस के बीच मजबूत दोस्ती का एक और सबूत दुनिया के सामने है। जुलाई में रूस से कच्चे तेल का आयात रोजाना 28 लाख बैरल के ऑल-टाइम हाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया जिससे भारत के कुल क्रूड ऑयल इंपोर्ट में अकेले रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 55.5% से ज्यादा हो गई। एलपीजी के मामले में अमेरिका का दबदबा दिख रहा है, जिससे कुल आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 73% हो गई है। खाड़ी देशों से भी भारत ने क्रूड की खरीद बढ़ाई है, जिससे सऊदी अरब और इराक से आयात में भारी तेजी आई है। रिफाइनरियों पर ड्रोन हमलों के बाद रूस के पास सरप्लस क्रूड बढ़ गया है, जो भारत के लिए सबसे भरोसेमंद सप्लायर बन गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों के बीच भारत और रूस के व्यापारिक रिश्ते एक नया इतिहास रच रहे हैं। सस्ते तेल का फायदा उठाते हुए भारत ने जुलाई में रूस से कच्चे तेल की रिकॉर्ड खरीदारी की है। शिप-ट्रैकिंग डेटा संस्था केप्लर की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के कुल क्रूड इंपोर्ट में अकेले रूस का कब्जा आधे से ज्यादा हो गया है। वहीं दूसरी तरफ रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई के मामले में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा पार्टनर बनकर उभरा है। केप्लर के शिप-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक भारत ने जुलाई में कुल मिलाकर 50 लाख बैरल से थोड़ा ज्यादा कच्चे तेल का आयात किया, जो जून के मुकाबले थोड़ा ज्यादा था। ▶8पर

पहलवान यौन शोषण मामला

बृजभूषण सिंह बरी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां) महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में बृजभूषण शरण सिंह बरी हो गए हैं। कोर्ट ने उन्हें सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने यह अहम फैसला सुनाया। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह 20 जुलाई 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बरी किए जाने के बाद पीड़ित महिला पहलवानों के पास अभी भी अपनी कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए कई संवैधानिक और कानूनी रास्ते खुले हुए हैं। भारतीय नागरिक न्याय प्रणाली के तहत वे हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दे सकती हैं। आपराधिक मामलों के वकील और कानून विशेषज्ञ असगर खान के मुताबिक, पीड़ित पक्ष इस फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर सकता है। कानूनन निचली अदालत के बरी करने के फैसले को चुनौती देने के लिए पीड़ितों के पास अपील करने का अधिकार होता है। ▶8पर

बांग्लादेश में आतंकवादी हमलों की आशंका से हाई अलर्ट, पुलिस वाहनों और थानों की सुरक्षा हुई सख्त

ढाका

खुफिया एजेंसियों से मिली गंभीर रिपोर्टों के आधार पर बांग्लादेश पुलिस ने पूरे देश में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वाहनों और प्रतिष्ठानों पर संभावित आतंकवादी व चरमपंथी हमलों को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। आपरेशन्स कंट्रोल ब्रांच (ओसीबी) द्वारा जारी आंतरिक निर्देशों के बाद देशभर में जीप, ट्रक और बसों सहित पुलिस की सभी गाड़ियों की सुरक्षा अभूतपूर्व रूप से बढ़ा दी गई है।

यह अलर्ट 5 अगस्त से ठीक पहले आया है, जब अगस्त 2024 में हिंसक छात्र आंदोलन के चलते पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, ओसीबी के निर्देशों के तहत पूरे देश में पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर की जाने वाली किसी भी तोड़फोड़ की कोशिश को नाकाम करने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सरकारी वाहनों को चलते समय और पार्क करते समय—दोनों ही स्थितियों में सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। थानों के परिसर के भीतर भी किसी भी सरकारी वाहन को बिना देखरेख के न छोड़ने के आदेश हैं। यह अलर्ट राजधानी ढाका में हाल ही में सामने आई बम संबंधी घटनाओं और अफवाहों के बाद बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। हाल ही में पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने मोतीझील मेट्रो स्टेशन पर एक लावारिस छाते के नीचे छिपाकर रखे गए रिमोट-कंट्रोल्ड विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को समय रहते निष्क्रिय किया था। इसके अलावा अन्य स्टेशनों पर लावारिस बैग मिलने से हड़कंप मच गया था। काउंटर टेररिज्म एंड ट्रांसनेशनल क्राइम इकाई ने स्पष्ट किया है कि हालांकि किसी विशिष्ट साजिश की कोई पक्की खुफिया रिपोर्ट नहीं है, फिर भी 5 अगस्त की संवेदनशीलता को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने राजशाही में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संदिग्ध वस्तुओं से जुड़ी हर घटना की गहन जांच की जा रही है और देश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भले ही हिंसा की घटनाओं में कमी आई है, फिर भी सरकार अलर्ट मोड में है। गौरतलब है कि मिड-2026 के एक वैश्विक क्राइम इंडेक्स में ढाका को दक्षिण एशिया का सबसे असुरक्षित और अपराध-प्रवण बड़ा शहर बताए जाने के तुरंत बाद प्रशासन ने सुरक्षा घेरा और मजबूत कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में हिन्दू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को उच्च न्यायालय से चार में से दो केस में जमानत मिली

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने देश के प्रमुख और युवा हिन्दू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को चार में से दो केस में जमानत प्रदान कर दी। ब्रह्मचारी लगभग 20 माह से जेल में बंद हैं। उनकी गिरफ्तारी पर भारत समेत कई देश कड़ा विरोध जता चुके हैं। चिन्मय के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने जमानत मिलने की पुष्टि की। भट्टाचार्य ने कहा कि चिन्मय के खिलाफ कुल छह केस दर्ज हैं। अब तक चार मामलों में जमानत मिल चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति केएम जाहिद सरवर और न्यायमूर्ति शेख अबू ताहिर की पीठ ने जमानत आदेश पारित किया। वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि हालांकि, उन्हें तुरंत न्यायिक हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा, क्योंकि उन्हें अभी दो मामलों में जमानत नहीं मिली है। भट्टाचार्य ने कहा कि उनके मुवक्किल हिन्दू संत चिन्मय के खिलाफ छह केस दर्ज किए गए हैं। इनमें से चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम की मौत से जुड़े हत्या के मामले में सुनवाई चल रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर दर्ज राजद्रोह के मामले में चिन्मय की जमानत पर उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश लागू है। जिन दो केस में जमानत का इंतजार किया जा रहा है, उनकी याचिकाओं पर सुनवाई 16 अगस्त को होनी है।

वर्ल्ड वार 2 के बाद सबसे बड़ा हमला होता, लेकिन टाल दिया: ट्रंप

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बीते पांच महीनों से जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा कर हलचल मचा दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर एक बेहद बड़े और विनाशकारी सैन्य हमले की योजना बना रहा था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा हमला साबित होता। हालांकि, भयंकर तबाही और व्यापक जनहानि को रोकने के लिए उन्होंने इस कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि वे युद्ध के बजाय कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता देना चाहते हैं, क्योंकि सैन्य संघर्ष में भारी संख्या में निर्दोष लोग मारे जाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान सहित क्षेत्र के अन्य प्रमुख सहयोगी देशों ने भी युद्ध रोकने और कूटनीति का रास्ता अपनाने का समर्थन किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर संकेत दिया कि क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है। इस संभावित समझौते के तहत रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोल दिया जाएगा, ताकि वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति सामान्य हो सके। ट्रंप ने कहा कि वे एक ऐसा समझौता पसंद करेंगे जो ईरान के एक सफल और समृद्ध राष्ट्र के रूप में अस्तित्व को भी बनाए रखे, बशर्ते जल्द ही कोई ठोस और सर्वमान्य हल निकल आए।

सेऊटा प्रवासी संकट के बाद स्पेन बनाएगा 500 मीटर समुद्री बैरियर

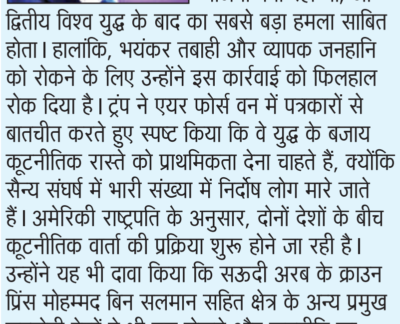

सेऊटा। मोरक्को से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों के प्रवेश के बाद स्पेन ने उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र सेऊटा की समुद्री सीमा को सुरक्षित करने के लिए नया कदम उठाने का फैसला किया है। स्पेन सरकार ने घोषणा की है कि वह सेऊटा और मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर करीब 500 मीटर लंबा तैरता हुआ बैरियर लगाएगा। यह व्यवस्था प्रवासियों के अवैध प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से की जा रही है। हाल ही में सेऊटा में बड़ी संख्या में प्रवासियों के पहुंचने के बाद हालात बिगड़ गए थे। कई लोग समुद्र के रास्ते सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान हुई घटनाओं में 67 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ लोगों की मौत डूबने से हुई, जबकि कुछ लोग सीमा पर लगे अवरोध को पार करने की कोशिश के दौरान हुई भगदड़ में मारे गए। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सेऊटा संकट को लेकर यूरोपीय स्तर पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सीमा प्रबंधन को लेकर स्पेन के खिलाफ की जा रही आलोचनाएं गलत धारणाओं और राजनीतिक हितों से प्रभावित हैं। उन्होंने यूरोपीय सहयोग और साझा सीमा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नौसेना के लिए 14 नई पनडुब्बियों की खरीद करेगा अमेरिका

वाशिंगटन

रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान के साथ बढ़ते तनाव ने वैश्विक रक्षा रणनीतियों को बदल दिया है। दुनिया के प्रमुख देश अपनी सेनाओं को आधुनिक हथियारों, मिसाइल प्रणालियों और अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने में तेजी दिखा रहे हैं। अमेरिका ने हाल के दिनों में रक्षा क्षेत्र में दो बड़े फैसले लिए हैं, जिनसे वैश्विक हथियार बाजार और सैन्य संतुलन पर असर पड़ने की संभावना है। अमेरिका ने पैट्रियट मिसाइलों के उत्पादन के लिए करीब 59 अरब डालर के रक्षा अनुबंध को मंजूरी दी है।

इसके अलावा अमेरिकी नौसेना के लिए 14 नई पनडुब्बियों की खरीद पर करीब 76.6 अरब डालर खर्च किए जाएंगे। यह निवेश अमेरिका के वार्षिक रक्षा बजट के करीब पहुंचता है। इसका मुख्य उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री ताकत का मुकाबला करना है।अमेरिकी नौसेना के इस कार्यक्रम के तहत वर्जीनिया क्लास की 9 परमाणु हमला करने वाली पनडुब्बियां और कोलंबिया क्लास की 5 बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां बनाई जाएंगी। इसके साथ ही जहाज निर्माण क्षमता, तकनीकी प्रशिक्षण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर भी खर्च किया जाएगा।

कोलंबिया क्लास पनडुब्बियां पुरानी ओहायो क्लास पनडुब्बियों की जगह लेंगी और अमेरिका की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को आने वाले दशकों तक बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएंगी। वर्जीनिया क्लास पनडुब्बियां दुश्मन की निगरानी, समुद्री युद्ध और रणनीतिक अभियानों के लिए विकसित की जा रही हैं। अमेरिका के इस बड़े निवेश के पीछे चीन की तेजी से बढ़ती नौसैनिक क्षमता को प्रमुख कारण माना जा रहा है। चीन आधुनिक परमाणु और पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण तेजी से कर रहा है। उसकी नौसेना में नई पीढ़ी की पनडुब्बियां शामिल हो रही हैं, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं। भारत भी अपनी पनडुब्बी क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। भारतीय नौसेना के पास वर्तमान में पारंपरिक और परमाणु पनडुब्बियों का मिश्रित बेड़ा है।

दुर्लभ उल्कापिंड की टक्कर से 75 प्रतिशत प्रजातियां हुई थी समाप्तः शोध

ब्रसेल्स। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में उस उल्कापिंड की प्रकृति का पता लगाया गया है, जिसकी टक्कर ने लगभग 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी पर व्यापक तबाही मचाकर डायनासोर समेत करीब 75 प्रतिशत जीव-जंतुओं का अस्तित्व समाप्त कर दिया था। शोधकर्ताओं के अनुसार यह उल्कापिंड एक दुर्लभ सीओ कानड्राइट श्रेणी का था, जो सौर मंडल के सबसे पुराने और अत्यंत कम पाए जाने वाले उल्कापिंडों में शामिल है। यह अध्ययन ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, पेरिस, ब्रसेल्स और वियना के वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम ने किया है। वैज्ञानिकों ने क्रीटेशियस-पैलियोजीन सीमा पर संरक्षित मिट्टी की पतली परत में मौजूद निकल समस्थानिकों का विश्लेषण कर इस उल्कापिंड की पहचान की। वैज्ञानिकों के अनुसार लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा यह विशाल क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वर्तमान मेक्सिको स्थित युकातान प्रायद्वीप से टकराया था। इस भीषण टक्कर से चिक्सुलूब क्रेटर का निर्माण हुआ और पृथ्वी के इतिहास की सबसे बड़ी सामूहिक विलुप्ति घटनाओं में से एक घटित हुई। इस घटना में उड़ान भरने में असमर्थ सभी डायनासोरों सहित पृथ्वी की लगभग 75 प्रतिशत प्रजातियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं। शोध के अनुसार टक्कर के बाद भीषण भूकंप, विशाल सुनामी और व्यापक जंगलों में आग लग गई। इसके साथ ही वातावरण में भारी मात्रा में धूल और मलबा फैल गया, जिसने लंबे समय तक सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुंचने से रोक दिया। परिणामस्वरूप वैश्विक तापमान में भारी बदलाव आया, पौधों का विकास प्रभावित हुआ और खाद्य श्रृंखला टूटने लगी, जिससे अधिकांश जीव-जंतुओं का अस्तित्व समाप्त हो गया। नई रिसर्च में यह भी सामने आया है कि यह उल्कापिंड संभवतः बृहस्पति ग्रह के निकट स्थित बाहरी क्षुद्रग्रह घेरे या सौर मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया था। सीओ कानड्राइट श्रेणी के उल्कापिंड पृथ्वी पर मिलने वाले कुल उल्कापिंडों का केवल लगभग पांच प्रतिशत ही होते हैं। इनमें कार्बन, जिंक, पानी और विशेष रूप से सल्फर की मात्रा अपेक्षाकृत कम होती है। इस अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि वैज्ञानिक अब तक जिस सल्फर को व्यापक विनाश का प्रमुख कारण मानते थे, उसकी भूमिका अपेक्षाकृत कम रही होगी।

जंगलों की आग बुझाते वक्त दो हेलीकाप्टर हवा में भिड़े

एथेंस

भीषण जंगलों की आग से सुलगते ग्रीस में राहत और बचाव कार्य के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। एथेंस के पश्चिमी इलाके पसाथा में धधकती आग पर पानी छिड़क रहे दो अग्निशमन हेलीकाप्टर हवा में आपस में टकरा गए।

हवा में रोटर टकराते ही एक हेलीकाप्टर जोरदार धमाके के साथ आग का गोला बनकर जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में एक क्रू मेंबर को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश में सर्च एंड रेस्क्यू टीमें लगातार जुटी हुई हैं।

ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चेतावनी जारी की है कि आने वाले दिन देश के लिए बेहद कठिन साबित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य इस समय बेकाबू मौसम की मार झेल रहा है, जहां 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चल रही हैं। इतनी भीषण हवाओं और घने धुएं के कारण दमकल विमानों के लिए पानी भरना और सुरक्षित तरीके से काम कर पाना लगभग असंभव हो गया है।

राजधानी एथेंस से करीब 70 किलोमीटर दूर लोकप्रिय तटीय गांव पोर्टो जेरमेनो के आसपास आग ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। रात भर में पहाड़ों को पार करते हुए आग एथेंस के बाहरी इलाकों की तरफ बढ़ने लगी, जिसे नियंत्रित करने के लिए करीब 500 दमकलकर्मी मोर्चे पर डटे हुए हैं। पुलिस अधिकारी घर-घर जाकर सायरन बजाते हुए और दरवाजे खटखटाकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं। विशेषज्ञों और मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अकेले पोर्टो जेरमेनो और उसके आसपास 10,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र जलकर खाक हो चुका है। नेशनल आब्जर्वेटरी के वरिष्ठ शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि इस तबाही को मेगाफायर की श्रेणी में रखा जाएगा। सिविल प्रोटेक्शन मंत्रालय के अनुसार दमकल विभाग अपनी क्षमताओं की अंतिम सीमा तक जाकर काम कर रहा है। दुखद बात यह है कि इस भयानक आपदा से निपटते हुए और अपना कर्तव्य निभाते हुए पिछले कुछ दिनों में 3 जांबाज दमकलकर्मियों की मौत हो चुकी है। फिलहाल तूफानी हवाओं और टर्बुलेंस के बीच राहत कार्य जारी हैं।

अब ईरान देने लगा सीधे अमेरिका को चेतावनी

तेहरान। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजराइल के साथ जारी संघर्ष के बीच हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ईरान ने अमेरिका की ओर से नए हमलों की धमकियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि अमेरिकी सेना ने आगे कोई भी दुस्साहस किया या उसके ठिकानों को निशाना बनाया, तो इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। यह चेतावनी ऐसे समय में दी गई है जब कुवैत की सेना ने ईरान की ओर से दागे गए ड्रोन हमलों को नाकाम करने का दावा किया है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान और सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान के साथ फोन पर बातचीत की। अराघची ने साफ कहा कि अमेरिका की ओर से क्षेत्र को अस्थिर करने वाले किसी भी कदम का करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने सऊदी अरब को साफ शब्दों में कहा कि यदि अमेरिका या इजराइल ने हमले किए और खाड़ी का कोई भी देश इसमें शामिल हुआ, तो ईरान भी उसी अनुपात में आक्रामक कार्रवाई करेगा।

फ्रांस में रहस्यमयी बीमारी डांसिंग प्लेग में मारे गए थे सैकडों लोग

पेरिस

फ्रांस के स्ट्रासबर्ग शहर में साल 1518 में फैली डांसिंग प्लेग शायद सबसे रहस्यमयी घटना रही है। इस अजीबोगरीब बीमारी में लोग कई महीनों तक नाचते रहे और थककर मौत के मुंह में समा गए। यह घटना आज भी वैज्ञानिकों के लिए एक पहेली बनी हुई है। जुलाई 1518 में फ्राउ ट्राफिया नामक एक महिला अचानक सड़क पर बिना किसी संगीत के नाचने लगी।

वह हफ्ते भर तक लगातार नाचती रही, और धीरे-धीरे सैकड़ों अन्य लोग भी उसके साथ अनियंत्रित रूप से नाचने लगे। यह सिलसिला कई महीनों तक चला, जिसमें लगभग 400 लोग शामिल हो गए। यह क्यों शुरू हुआ और इसकी वजह क्या थी, यह आज भी एक रहस्य है।

सोशल मीडिया पर इस महामारी से जुड़ी कई कहानियां फिर से वायरल हो रही हैं, जिसने इतने सालों बाद इस घटना को लोगों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। इस महामारी का भयावह पहलू यह था कि लोग थकान से चूर हो जाते थे, फिर भी रुक नहीं पाते थे। कई लोगों के पैरों में खून बहने लगा, कुछ को दिल का दौरा पड़ गया और वे नाचते-नाचते ही मर गए। अनुमान है कि इस महामारी से सैकड़ों मौतें हुई थीं, क्योंकि लोग शारीरिक रूप से इतना थक जाते थे कि उनका शरीर जवाब दे देता था। उस समय के डाक्टरों ने इसे गर्म रक्त की बीमारी बताया था, वहीं धर्मगुरुओं ने इसे शैतान का प्रभाव या किसी श्राप का असर माना था।

शहर के अधिकारियों ने एक अजीब तरीका अपनाया: उन्होंने संगीतकारों को बुलाकर लोगों को और अधिक नाचने के लिए प्रोत्साहित किया, यह सोचकर कि वे थककर गिर जाएंगे और महामारी खत्म हो जाएगी। हालांकि, यह विचार विफल रहा, और कई लोगों ने नाचते-नाचते अपनी जान गंवा दी। इसके बाद, धीरे-धीरे यह महामारी अपने आप ही खत्म हो गई। आज के वैज्ञानिक इस घटना को सामूहिक मनोजन्य बीमारी के रूप में देखते हैं, जिसमें मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण शारीरिक लक्षण उत्पन्न होते हैं और एक समूह में फैल जाते हैं।

दरअसल, उस समय स्ट्रासबर्ग में भुखमरी, सामाजिक तनाव, और सिफलिस जैसी बीमारियां फैली हुई थीं। इसके अलावा, एर्गोट फंगस, जो राई जैसे अनाजों में उगता है और एलएसडी जैसे मतिभ्रमकारी प्रभाव पैदा करता है, को भी एक संभावित कारण माना जाता है। कुछ महीनों बाद धीरे-धीरे लोगों ने थककर या मरकर नाचना बंद कर दिया, और स्ट्रासबर्ग फिर से सामान्य हो गया।

युवक के सिर पर अभरने लगी इंसानी मस्तिष्क जैसी सलवटें, सर्जरी से मिला जीवन

बीजिंग

चीन में एक असामान्य बीमारी ने न केवल युवक का चेहरा बदल दिया, बल्कि उसके सामान्य जीवन को भी पूरी तरह प्रभावित कर दिया। 23 वर्षीय युवक के सिर पर इंसानी मस्तिष्क जैसी सलवटें उभर आने का दुर्लभ मामला प्रकाश में आया है। कई असफल सर्जरियों के बाद आखिरकार 11 महीने तक चले विशेष उपचार ने युवक को नई जिंदगी दी। युवक शियाओ ली ने शुरुआत में अपने सिर पर एक कठोर उभार महसूस किया था, जिसे उसने सामान्य समस्या मानकर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन समय बीतने के साथ उसकी सिर की त्वचा लगातार मोटी होती गई और उसमें गहरी सलवटें व उभरी हुई नसें दिखाई देने लगीं। उसकी स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता था मानो सिर के ऊपर मस्तिष्क उभर आया हो। इस बदलाव ने उसके चेहरे की बनावट भी प्रभावित कर दी, जिसके कारण वह लोगों की प्रतिक्रियाओं और तानों से बचने के लिए घर से बाहर निकलने से कतराने लगा।

बेहतर इलाज की तलाश में उसने कई छोटे-बड़े अस्पतालों का रुख किया। कुछ स्थानों पर सर्जरी भी की गई, लेकिन कोई स्थायी सफलता नहीं मिली। कई विशेषज्ञ डाक्टरों ने भी उसकी जटिल स्थिति को देखते हुए उपचार करने से इनकार कर दिया। लगातार मिल रही निराशा के बीच अंततः उसे चीन के झोंगनान अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उसके मामले को चुनौती के रूप में स्वीकार किया। डा. झाउ वेई के नेतृत्व में प्लास्टिक सर्जनों की एक विशेष टीम बनाई गई। चिकित्सकों ने विस्तृत जांच के बाद 11 महीने का उपचार कार्यक्रम तैयार किया।

इसमें सिर के पीछे मौजूद स्वस्थ त्वचा और पुराने ऊतकों का उपयोग कर नई त्वचा विकसित करने की योजना बनाई गई। इस प्रक्रिया के दौरान विशेष नमक वाले घोल के इंजेक्शन देकर त्वचा को धीरे-धीरे फैलाया गया, ताकि पर्याप्त स्वस्थ त्वचा तैयार हो सके। लंबी तैयारी पूरी होने के बाद अंतिम चरण में जटिल सर्जरी की गई।

मिस्र में भूकंप के तेज झटकेः शर्म अल-शेख के पास आया 5.5 तीव्रता का भूकंप, जान-माल के नुकसान पर क्या अपडेट

काहिरा। मिस्र में सोमवार सुबह शर्म अल-शेख के उत्तर-पूर्वी इलाके में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। देश के राष्ट्रीय खगोलीय और भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। मिस्र के राष्ट्रीय खगोलीय और भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान ने क्या बताया संस्थान के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 3 बजे (0000 जीएमटी) आया। इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप का केंद्र 30.19 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 32.61 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। संस्थान ने बताया कि उसे लोगों से जानकारी मिली है कि भूकंप के झटके महसूस किए गए। लेकिन किसी की जान जाने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के संवाददाताओं ने भी मिस्र की राजधानी काहिरा में भूकंप के झटके महसूस किए। भूकंप के बाद मिस्र के स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्री खालिद अब्देल-गफ्फार ने देश की स्वास्थ्य आपातकालीन योजना को तुरंत लागू करने और मंत्रालय के केंद्रीय संकट एवं आपातकालीन संचालन कक्ष की बैठक बुलाने का आदेश दिया। मंत्रालय ने देशभर के अस्पतालों में आपातकालीन और गंभीर मरीजों के इलाज वाले विभागों में अलर्ट का स्तर बढ़ा दिया है। साथ ही एंबुलेंस और तुरंत कार्रवाई करने वाली टीमों को तैयार रहने को कहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्कतें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दु:खी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं। आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अगस्त 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : षष्ठी रात्रि 10:05 पक्ष
तिथि : रेवती रात्रि 09:54 तक
नक्षत्र : धृति रात्रि 07:33 तक
योग : गर प्रातः 10:34 तक
करण : 10:05 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 09:54 तक
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है
भद्रा रात्रि 10:04 से, मंगला पूजन ,भद्रा रात्रि 10:58 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रामनगर ईस्ट शाखा की सावन की सैर रही अविस्मरणीय

गोवा, गोकर्ण, उडुपी और मुरुडेश्वर के पावन धामों के दर्शन कर श्रद्धालु हुए भावविभोर

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रामनगर ईस्ट शाखा द्वारा सावन मास के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य एवं सफल ''सावन की सैर'' तीर्थयात्रा का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक यात्रा में सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं आनंद के साथ सहभागिता करते हुए देश के विभिन्न प्रसिद्ध धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन किए। पूरी यात्रा धार्मिक वातावरण, भक्ति, सौहार्द और उल्लास से परिपूर्ण रही। 25 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित इस तीर्थयात्रा के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में श्रद्धालुओं ने गोवा स्थित श्री मंगेश्वर शिव मंदिर के दर्शन किए। इसके साथ ही ऐतिहासिक एक्काडा फोर्ट, प्रसिद्ध बागा बीच तथा स्पाइस प्लांटेशन का भ्रमण कर प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का आनंद लिया। यात्रा के तृतीय दिवस गोकर्ण में श्रद्धालुओं ने भव्य राम प्रतिमा (राम स्टैच्यू) तथा प्रसिद्ध श्री महाबलेश्वर मंदिर के पावन दर्शन किए।

चतुर्थ दिवस उडुपी में सभी श्रद्धालुओं को श्री कृष्ण मंदिर, श्री चंद्रमौलेश्वर मंदिर तथा श्री अनंतेश्वर मंदिर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

पंचम दिवस, जो सावन मास का प्रथम पावन दिवस था, श्रद्धालुओं ने विश्वप्रसिद्ध श्री मुरुडेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर विधि–विधान से पूजन–अर्चन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

षष्ठ दिवस सभी श्रद्धालु मंगलमय एवं सुखद यात्रा की अविस्मरणीय स्मृतियों के साथ मुरुडेश्वर से भाग्यनगर (हैदराबाद) के लिए प्रस्थान किए। पूरे प्रवास के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति, प्रेम, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में यात्रा का भरपूर आनंद लिया। यह तीर्थयात्रा सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, यादगार एवं सफल सिद्ध हुई।

इस सफल तीर्थयात्रा के आयोजन एवं उत्कृष्ट संचालन में श्री वेणुगोपाल अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल, श्रीमती किरण अग्रवाल, श्री पंकज अग्रवाल, श्रीमती शीतल अग्रवाल, श्रीमती सीमा अग्रवाल तथा श्रीमती ऊषा अग्रवाल का विशेष सहयोग एवं योगदान सराहनीय रहा। इसके अतिरिक्त अन्य सभी सहयोगी सदस्यों ने भी यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में

78वां बोनालू उत्सव : देवी को बिल्वार्चना के बाद धूमधाम से हुआ रुद्र त्रिशती होम

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुराने शहर स्थित ऐतिहासिक हरिबाउली के श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में 78वें वार्षिक बोनालू उत्सव के तहत सोमवार शाम को धार्मिक अनुष्ठान भक्तिभाव के साथ संपन्न हुए। इस अवसर पर मंदिर में देवी महाकाली को बिल्वार्चना अर्पित की गई, जिसके उपरांत 'रुद्र त्रिशती होम' पूजा का भव्य आयोजन किया गया।

यह विशेष पूजा मंदिर समिति के कार्यकारी सचिव एस. पी. क्रांति कुमार ने अपनी धर्मपत्नी एस. शैलजा के साथ मिलकर विधि–विधानपूर्वक संपन्न की।

इस धार्मिक अनुष्ठान एवं होम का संचालन मंदिर के मुख्य पुजारियों के. रवि नारायण मूर्ति तथा गोपाल महाराज की देखरेख और अगुवाई में सफलतापूर्वक किया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंकज कुमार अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।अशोक फाउंडेशन एवं अग्रवाल बंधु के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने हरियाणा प्रवास के दौरान नारनौल में पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्री दीपक कुमार, आईपीएस से शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान पंकज कुमार अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार को राष्ट्रहित, जनसेवा तथा कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे उनके उल्लेखनीय कार्यों के प्रति शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

इस अवसर पर समाज में शांति, सुरक्षा तथा पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय को लेकर सकारात्मक एवं सार्थक विचार–विमर्श भी हुआ।

पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि पुलिस और समाज के बीच मजबूत सहयोग तथा आपसी विश्वास से न केवल कानून–व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होती है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और जनविश्वास को भी नई मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण में पुलिस और नागरिकों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।भेंट के समापन पर पंकज कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रहित एवं जनकल्याण के कार्यों में सहयोग की भावना व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्री दीपक कुमार, आईपीएस का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर दोनों ने समाजहित एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर भविष्य में भी सहयोगात्मक प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की पेद्दापल्ली शाखा के तत्वावधान में फीस प्रतिपूर्ति (फीस रीइम्बर्समेंट) एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के लंबित भुगतान को लेकर स्थानीय अंबेडकर चौक पर विरोध–प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से लंबित बकाया राशि शीघ्र जारी करने तथा छात्र हितों की रक्षा करने की मांग की।

इस अवसर पर एबीवीपी की राज्य कार्य समिति के सदस्य मरम संदीप तथा जिला संयोजक बांदी राजशेखर ने आरोप लगाया कि राज्य में लगभग 20 लाख विद्यार्थी फीस प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति योजनाओं पर निर्भर होकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा समय पर राशि जारी नहीं किए जाने के कारण लगभग 12,000 करोड़ रुपये का बकाया लंबित हो गया है।

उन्होंने दावा किया कि सरकार की लापरवाही के कारण प्रतिवर्ष लगभग दो लाख विद्यार्थी पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं तथा लाखों विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विद्यार्थियों का पड़ोसी राज्यों की ओर पलायन लगातार बढ़ रहा है।

एबीवीपी नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में फीस प्रतिपूर्ति योजना प्रभावित हुई, जिससे गरीब एवं मध्यमवर्गीय विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने सत्ता में आने से पहले लंबित बकाया का भुगतान, 'ग्रीन चैनल' व्यवस्था लागू करने तथा प्रत्येक माह समय पर फीस प्रतिपूर्ति जारी करने का वादा किया था, लेकिन अब तक यह वादा पूरा नहीं किया गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निजी शिक्षण संस्थानों और सरकार के बीच चल रहे विवाद का सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा है तथा कई निजी और बजट कॉलेज भी संकट का सामना कर रहे हैं।

एबीवीपी नेताओं ने कहा कि छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति विद्यार्थियों का अधिकार है, इसे किसी प्रकार की कृपा या सहायता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाते हैं तो उन पर लाठीचार्ज किया जाता है और झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से चुनावी वादों को पूरा करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाए तो एबीवीपी राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य के सभी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय फिर से छात्र आंदोलनों के केंद्र बनेंगे।

प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी ने पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय स्थित बालिका जूनियर कॉलेज के भवन निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की भी मांग की। संगठन का कहना था कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

इस प्रदर्शन में राज्य कार्य समिति सदस्य मरम संदीप, एसएफएस राज्य संयोजक ओमेश, जिला संयोजक बांदी राजशेखर, नगर सचिव अरविंद, नगर उपाध्यक्ष विग्नेश, सिद्धार्थ, शिव, दिनेश, कार्तिक, शैलजा, मौनिका सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं एबीवीपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

450 बेड के सरकारी अस्पताल का निर्माण शीघ्र पूरा कर जनता को समर्पित किया जाए : विजित कुमार

मंचेरियाल, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्य नेता नडिपेल्ली विजित कुमार ने मांग की है कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में स्वीकृत 450 बेड के सरकारी जनरल अस्पताल का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर उसे जनता को समर्पित किया जाए। सोमवार को उन्होंने मंचेरियल जिला मुख्यालय के कॉलेज रोड स्थित निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान विजित कुमार ने कहा कि तत्कालीन विधायक नडिपेल्ली दिवाकर राव के प्रयासों से लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज एवं 450 बेड के सरकारी अस्पताल को मंजूरी मिली थी। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में अस्पताल का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा था।

विजित कुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बनने और प्रेमसागर राव के विधायक बनने के बाद अस्पताल के निर्माण कार्य की गति जानबूझकर धीमी कर दी गई। उनका आरोप था कि यदि अस्पताल का निर्माण समय पर पूरा होता है तो इसका श्रेय तत्कालीन विधायक नडिपेल्ली दिवाकर राव को मिलेगा, इसलिए राजनीतिक द्वेष के कारण कार्य में देरी की जा रही है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि पहले निर्माण कार्य में लगे श्रमिक मेडिकल कॉलेज परिसर के शेड में रहते थे, लेकिन कांग्रेस सरकार बनने के बाद उन्हें वहां से हटा दिया गया, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन तो कर दिया गया, लेकिन अस्पताल का निर्माण अब तक पूरा नहीं हो सका है।बीआरएस नेता ने विधायक प्रेमसागर राव से अपील की कि यदि कोई राजनीतिक मतभेद हैं तो उन्हें राजनीतिक स्तर तक ही सीमित रखा जाए और जनता के हितों को प्रभावित न होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 450 बेड के अस्पताल का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाना आवश्यक है।

विजित कुमार ने चेतावनी दी कि यदि अस्पताल का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर जनता के लिए शुरू नहीं किया गया तो बीआरएस पार्टी जनहित में व्यापक आंदोलन करेगी।इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, टीबीजीकेएस के नेता, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में बीआरएस समर्थक उपस्थित रहे।

सेवा में ही शिव का वास : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में सावन के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, आस्था और सेवा भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की सेवा का संकल्प दोहराया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि भगवान शिव केवल देवों के देव महादेव ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के कल्याण, करुणा, त्याग और समरसता के प्रतीक हैं। सावन का पावन महीना हमें यह संदेश देता है कि जीवन की सार्थकता केवल पूजा–पाठ में नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का हाथ बढ़ाने में है। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना, असहाय का सहारा बनना, पीड़ित के दुःख को अपना दुःख समझना और मानवता की निस्वार्थ सेवा करना ही भगवान शिव की सच्ची आराधना है।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से निरंतर अन्नदान, गौसेवा और विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की अलख जगा रहा है। यह सेवा अभियान समाज में प्रेम, सहयोग, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से सावन के इस पावन अवसर पर सेवा का संकल्प लेने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावरलाल गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, संजय गुप्ता, मनोज डालमिया एवं उमा डालमिया सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं।इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुनः नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा।इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजनः शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की दि्क्षण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

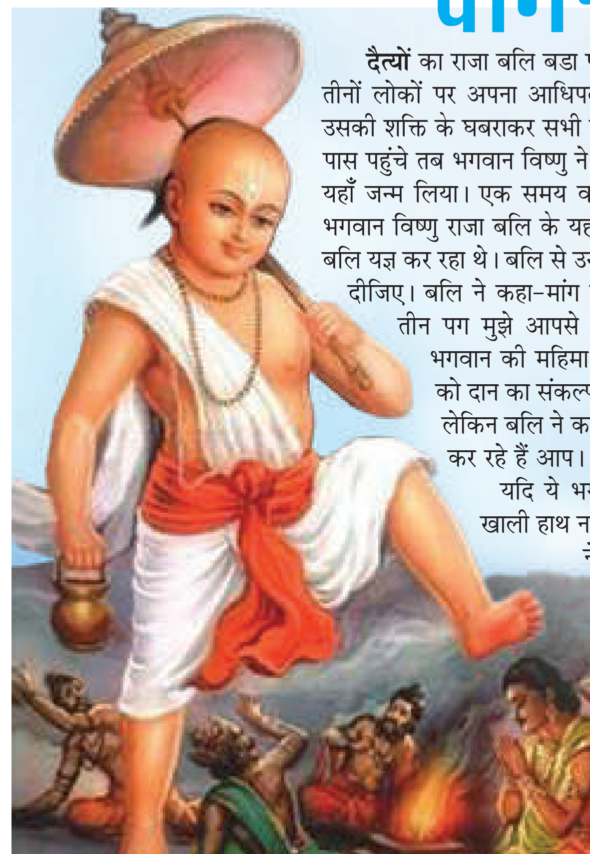

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा--मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्रचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये।तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है। अगर आपको कंधे पर बैग कैरी करना अच्छा लगता है, तो आप उन महिलाओं में से एक है जो काम और फैमिली दोनों को एक साथ हैंडल करके चलती हैं और जो काफी व्यस्त रहती हैं। आप दिखावे में यकीन नहीं करती हैं और आप काफी प्रैक्टिकल इंसान हैं। आप फैशन से ज्यादा अपने काम पर फोकस करना पसंद है। अगर आप अपना बैग हाथ में पकड़ती है, तो आपको ऐश-ओ-आराम की लाइफ पसंद है। आपको महंगे लेकिन छोटे क्लचेज कैरी करना काफी अच्छा लगता है। अगर आप बैग को बांह के नीचे दबाकर रखती हैं तो आप उन महिलाओं में से हैं, जो लोगों से आसानी से घुलती-मिलती नहीं हैं और उनसे दूरी बनाकर रखती हैं।

आकर्षक चेहरे को देखने से तेज होती है याददाश्त

अगर आप अपनी याददाश्त बढ़ाना चाहते है तो इसके लिए शोधकर्ताओं ने बेहद आसान और अनोखा तरीका खोजा है। विपरीत लिंग के आकर्षक व्यक्ति की ओर लगातार देखने से स्मरण शक्ति बढ़ सकती है विशेषकर पुरुषों की। अमेरिकी पत्रिका पैसिफिक स्टैण्डर्ड में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अपने से विपरीत लिंग के व्यक्ति की ओर देखने से याददाश्त तेज होती है। शोधकर्ताओं ने इसका पता लगाने के लिए दो शोध किए जिसमें पुरुषों को एक आकर्षक और एक साधारण महिला की तस्वीरें दिखाई गई। आकर्षक तस्वीर की ओर देखने वाले पुरुषों की याददाश्त साधारण महिला की तस्वीर देखने वालों की तुलना में बेहतर दिखी। पहले प्रयोग में मनोविज्ञान के 58 छात्रों को विपरीत लिंग के 10 चेहरों को सात सेकंड तक दिखाते हुए एक कहानी सुनाई गई। इन चेहरों में बेहद आकर्षक और साधारण महिलाओं की तस्वीरें शामिल थी। बाद में पाया गया कि सुंदर चेहरों को देखने वाले पुरुषों को कहानी अच्छे तरीके से याद रही।

हल्के लहंगे चलन में...

जब हम किसी फ्रैंड या किसी रिश्तेदार की पार्टी में जानें के लिए शॉपिंग करते हैं तो हम सोचते है कि ऐसी कौन सी ड्रैस पहनी जाएं जिसमें हम कूल और स्टाइलिश भी लगें तो ऐसे में हमारे मन में सबसे पहला ख्याल लहंगे का आता है, लेकिन आजकल हल्के लहंगे चलन में बहुत हैं। यहां तक की ब्राइडल लुक के लिए यह लहंगे फैशन में बने हुए है। इन लहंगों को आप भारी एम्ब्रॉयडरी की हुई चोली या ब्लाउज के साथ मैच कर पहन सकती हैं। सबसे बड़ी बात कि हल्के लहंगों के साथ आपको जूलरी मैच करने में भी ज्यादा सोचना नहीं पड़ता क्योंकि इस पर कोई भी ज्यूलरी मैच कर जाती है। अगर आप भी किसी फंक्शन के लिए ड्रैस चुन रही है तो आप हल्के लहंगों को चुन सकती है।

ऐसे पाएं लंबी पलकें...

बॉलीवुड अदाकाराओं जैसी लंबी पलकें आप भी पा सकती हैं। पेट्रोलियम जैली जैसे वैसलीन को पलकों पर अप्लाई करने से पलकें और तेजी से बढ़ने लगेंगी। इस घरेलू नुस्खे से आपकी पलकें थिकर और स्ट्रॉन्ग भी हो जाएंगी। आपको हर तीन महीने में अपनी पलकें ट्रिम करनी चाहिए, लेकिन इसके सिर्फ एक छोटे से पार्ट को ही ट्रिम करें। पलकें ट्रिम करने से ये और तेजी से बढ़ने लगेंगी। जैतून का तेल पलकों को विकसित करने के लिए काफी पुराना नुस्खा है। सोने से पहले अपनी पलकों के आसपास एक रुई की मदद से जैतून का तेल लगा लें। पूरी रात जैतून के तेल में मौजूद आवश्यक विटामिन पलकों मे समा जाएंगे।

पियर्सिंग के खतरों को जानें...

स्टाइलिश दिखने और खुद को अप टू डेट रखने के लिए लोग बॉडी में कहीं न कहीं पियर्सिंग करवा रहे हैं। पियर्सिंग एक पारंपरिक तरीका है जिसमें शरीर पर किसी भी जगह पर त्वचा में छेद कर ज्वेलरी पहनने लायक बनाया जाता है। इयरलोब और नाक की पियर्सिंग बहुत कॉमन है जबकि दूसरे हिस्से जैसे आईब्रो, होंठ, जीभ और अन्य अनेक हिस्सों की पियर्सिंग कराने का चलन इन दिनों बना हुआ है। किसी अन्य बॉडी मॉडिफिकेशन प्रोसेस की तरह ही पियर्सिंग के साथ भी कुछ जोखिम जुड़े हुए हैं और इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

जिस तरह स्टाइलिश कपड़ों के साथ अच्छे फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह शरीर या होंठ में कौन सी एक्सेसरीज वियर करनी चाहिए, इसके चलते पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। फैशन के लिए पियर्सिंग कराना बहुत अच्छा है लेकिन यह कराने से पहले जरा सावधानियां भी बरतें। जेवर पहनने के लिए कान नाक में छेद करवाने का चलन दुनियाभर में सदियों से रहा है, लेकिन अब फैशन के चलते नाभि से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों को छिदवाने का चलन है, जबकि इस दौरान घाव या संक्रमण होने पर लेने के देने पड़ सकते हैं और लंबे समय तक इलाज कराने की नौबत आ सकती है। ज्यादातर मामलों में पियर्सिंग को बिना किसी एनेस्थेसिया के पियर्सिंग गन या स्टैंडर्ड नीडिल से किया जाता है। अगर साफ सफाई का ध्यान रखते हुए संक्रमण रहित सुई से पियर्सिंग की जाए तो कोई समस्या नहीं होती वर्ना संक्रमण हो जाता है। सुई संक्रमण रहित न हुई तो हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी से लेकर सिफिलिस और एचआईवी जैसी संक्रामक बीमारियों का संक्रमण हो सकता है और रक्त में संक्रमण से सेप्सिस भी हो सकता है। कई महिलाएं कान के बाहरी हिस्से में कई छेद करवाती हैं। ऐसा होने पर कानों को आकार देने वाली कार्टिलेज में भी छेद किया जाता है और इसमें घाव बन सकता है। ऐसे घाव को भरने में बहुत समय लगता है और संक्रमण की भी आशंका होती है।

घाव भरने में देरी

इन दिनों मुंह, जीभ, नाक, भौंह, नाभि आदि में छेद करवाने का चलन है। हर स्थान का घाव भरने में समय लगता है और इसके लिए सावधानी भी बेहद जरूरी है। लेकिन कुछ स्थानों पर पियर्सिंग करवाने पर खास ध्यान देना पड़ता है। मुंह और नाभि में छेद करवाने पर अगर सावधानी नहीं बरती गई तो संक्रमण की आशंका बहुत होती है। नाभि में अक्सर कपड़ों की रगड़ लगने की वजह से घाव भरने में बहुत समय लगता है। जिस जगह छेद करवाया गया हो, जरूरी नहीं है कि उस छेद में हर तरह की धातु के गहने पहने जा सकें। कुछ धातुओं से शरीर की त्वचा को एलर्जी होती है और यह भी नुकसानदेह हो सकता है। कुछ धातुओं से शरीर के किसी भाग की त्वचा में समस्या हो सकती है और किसी भाग में नहीं। अक्सर कहा जाता है कि मधुमेह के रोगियों के घाव भरने में बहुत मुश्किल होती है। लेकिन न्यूमोनिया से लेकर ल्यूपस तक कई बीमारियां ऐसी हैं जिनकी वजह से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और इसका पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में यदि पियर्सिंग हो तो संक्रमण की आशंका अधिक होती है। अगर घाव बन गया तो उसके ठीक होने के बाद भी उसका निशान लंबे समय तक रह सकता है।

टंग पियर्सिंग

जिस तरह अच्छे कपड़ों के साथ अच्छे सैंडल और फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह होंठ या शरीर में कौन सी एक्सेसरीज इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके लिए बॉडी पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। जीभ की पियर्सिंग कराना फैशन स्टेटमेंट बन चुका है। जीभ छिदवाकर स्टड्स पहनना या फिर छोटी सी बाली पहनना उनके लिए खुद को स्टाइलिश साबित करने का एक तरीका है। लेकिन एक नए शोध के अनुसार यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे दांतों से जुड़ी कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जीभ की पियरसिंग कराने से मसूड़ों पर चोट लगती है और हड्डी के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। पियरसिंग कराने वालों में आगे चलकर नर्वस-सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं भी घर कर जाती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीभ की पियर्सिंग के कारण आप दिनभर अपनी जीभ को मुंह में ही इधर-उधर करते रहते हैं। इसकी वजह से मसूड़ों में इन्फेक्शन हो सकता है। इसके चलते बोन-लॉस का खतरा भी हो सकता है। पियर्सिंग टूटकर मुंह से पेट में जा सकती है या फिर किसी नाल में फंस सकती है।

बेली पियर्सिंग

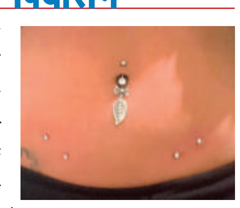

आजकल के फैशन के दौर में अधिकतर युवतियां बेली पियर्सिंग कराना चाहती हैं। नाभि में पियर्सिंग कराना वैसे तो काफी दर्द भरा होता है लेकिन अधिकतर जगहों पर इसे करने से पहले उस स्थान को सुन्न किया जाता है। फिर भी जहां पियर्सिंग कराने जा रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें, हो सके तो अपने दोस्तों और नेट का सहारा लेकर सही जगह का पता लगाएं। पीयर्सिंग का एक मतलब कई गंभीर बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शंस को भी दावत देना है। नाभि और जुबान पर होने वाली पीयर्सिंग से हेपेटाइटिस के संक्रमण होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। यही नहीं जो लोग डाइबिटीज या अन्य स्किन इन्फेक्शंस से पीड़ित होते हैं वे इस तकनीक की वजह से गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। वहीं बुखार, पेट दर्द आदि जैसे संक्रमण होने का भी बहुत खतरा होता है। नाभि की पीयर्सिंग के बाद त्वचा अक्सर ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लेती है ऐसे में उसके पूरी तरह ठीक होने तक हाइजीन का पूरा खयाल रखना बहुत जरूरी है।

नोज पियर्सिंग

नाक में पियर्सिंग तो आम है लेकिन यदि यह ठीक से न हो तो इसकी वजह से टिश्यूस क्षतिग्रस्त हो सकते हैं जिससे केलॉइड स्कार होने की आशंका भी हो सकती है। ठीक ऐसे ही स्कार होठों और कान की पीयर्सिंग के कारण भी हो सकते हैं। प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा न करवाए जाने पर किसी भी तरह की ब्लीडिंग या हेमरेज का कारण भी बन सकती है पियर्सिंग। हृदय रोग की फैमिली हिस्ट्री वाले लोगों के लिहाज से विशेषतौर पर पियर्सिंग गंभीर स्थितियां पैदा कर सकती है।

लिप पियर्सिंग

एकदम हटके लुक पाने के लिए इन दिनों लिप पियर्सिंग का चलन भी बढ़ा है लेकिन आपको बता दें कि लिप पियर्सिंग करवाने में सबसे ज्यादा दर्द होता है और साथ ही ये नार्मल होने भी टाइम लेता है। चूंकि धातुएं आम तौर पर त्वचा के संपर्क में आने पर डरमेटाईटिस यानी त्वचा की सूजन को बढ़ाती हैं, कुछ लोगों को गहनों से एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। इन रिएक्शन्स में सांस लेने में समस्या हो सकती है, छेदन किये गए स्थान पर रेशेज और सूजन आ सकती है। कभी कभी गंभीर होने पर अस्पताल में भी एडमिट होना पड़ सकता है।

चिन पियर्सिंग

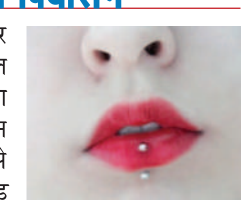

इन दिनों चिन पर डबल व सिंगल पियर्सिंग ट्राई किए जा रहे हैं। इसमें स्टोन लगाए जा रहे हैं। वैसे मेटल स्टड्स भी ट्रेंड में हैं। गलत तरीके से छेदने पर कोई तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो सकती है जिससे कि छेद किए जाने वाला और इसके आसपास का स्थान हमेशा के लिए मृत हो सकता है। खासकर जब इसे किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया गया हो। कभी कभी जब छेदन किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया जाता है या छेदने वाला स्थान गलत हो तो सुई किसी नस को छेदकर उसे क्षतिग्रस्त कर सकती है अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है और शरीर में खून की कमी हो सकती है।

आइब्रो पियर्सिंग

इन दिनों आइब्रो पियर्सिंग खूब चल रही है लेकिन पियर्सिंग के घाव को भरने में 2 से 12 महीने का समय लगता है, इसलिए आइब्रो पियर्सिंग बहुत सावधानी से करवाएं। आइब्रो पियर्सिंग में केलोइड्स हो जाए तो सुंदरता को बिगाड़ सकता है। केलोइड्स छेदन किये गए स्थान पर सख्त गांठें या उतकों की अतिरिक्त वृद्धि होते हैं जो बाहर निकले हुए होते हैं और बहुत बदसूरत दिखाई देते हैं। जब भी केलोइड्स के उपचार की बात आती है तो इसकी रोकथाम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी प्रकार का उपचार इन्हें पूरी तरह से नहीं हटा सकता या उपचार पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता।

फिंगर पियर्सिंग

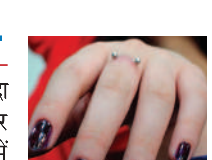

इन दिनों सबसे ज्यादा डिमांड में है फिंगर पियर्सिंग। यह देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं और आप अपने हाथ की किसी भी उंगली पर डबल पियर्सिंग करवा सकते हैं। इसमें नग लगवा सकते हैं, लेकिन यह बात जरूर ध्यान रखें कि शरीर को छेदने पर होने वाला सबसे आम खतरा है संक्रमण। यदि तुरंत उपचार नहीं किया गया तो इससे दाग पड़ सकता है और खून में भी संक्रमण हो सकता है। ध्यान न दिए जाने पर यह आपके ऊपर एक भद्दा दाग छोड़कर आपको बदसूरत बना सकता है।

लोअर वियर्स के नए फैशन...

महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होते या किसी पार्टी में जाने से पहले के समय में अक्सर यह सही सोची हैं कि क्या क्या पहने? जिससे वे भीड़ में सबसे अलग दिख सके। तो आइए आज हम आपको इस सीजन फैशन की रेस में सबसे आगे चल रहे लोअर वियर्स के बारे में बताते हैं।

प्लीटेड बैगी पैंट

इस तरह के पैंट फॉर्मल वियर के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इन ट्राउजर्स के ऊपरी हिस्से में प्लीट्स होती हैं और ये निचले हिस्से में फिटेड होते हैं। ग्रे, पीच और ऑफ व्हाइट जैसे रंगों के प्लीटेड बैगी ट्राउजर सबसे ज्यादा चलन में हैं। एक अन्य प्रकार के प्लीटेड बैगी ट्राउजर्स ऊपर से नीचे तक ढीले होते हैं। इन्हें कैजुअल परिधानों के रूप में पहना जाता है। इन्हें आप चाइनीज कॉलर वाली शर्ट, कफ वाली हाफ स्लीव शर्ट या पिनस्ट्राइप्स प्रिंट वाली शर्ट के साथ पहन सकती हैं।

क्यूलॉट्स

ऑफिस वियर्स के रूप में आजकल क्यूलॉट्स सबसे ज्यादा पसंद की जा रही पैंट हैं। ये सीधी और चौड़ी दोनों कट्स में आती हैं। आजकल साइड से कट लगी क्यूलॉट्स भी चलन में हैं। इन्हें बनारसी कुर्ते, असिमिट्रिकल टॉप, घुटनों तक लंबे टॉप या फॉर्मल टॉप के साथ पहना जा सकता है।

पलाजो

ढीला-ढाला पलाजो इन दिनों मेट्रो शहरों से लेकर छोटे शहरों तक की महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। इसने अधिकांश वॉर्डरोब में चूड़ीदार पैजामे और सलवार की जगह ले ली है। इन दिनों लिनन, होजरी, जॉर्जट से बने पलाजो चलन में हैं। इन्हें पहन कर वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के लुक पाए जा सकते हैं। इन्हें लॉन्ग कुर्ते, श्रग, क्रोशिया टॉप, जैकेट, अचकन स्टाइल के बटन डाउन टॉप के साथ पहना जा सकता है।

मिडी स्कर्ट

लायक्रा, जॉर्जेट या नियोप्रीन जैसे फैब्रिक्स से बनी मिडी स्कर्ट्स इन दिनों काफी चलन में हैं। किसी पार्टी में या दोस्तों के साथ मूवी देखने जाते समय इन्हें पहना जा सकता है। कॉकटेल पार्टी में भी इन्हें पहन कर बेहतरीन लुक पाया जा सकता है। बिना बाजू या आधी बाजू वाले टॉप और क्रॉप टॉप के साथ ये स्कर्ट्स कमाल लगती हैं।

बलून स्कर्ट

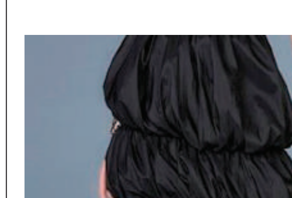

फूले हुए फैब्रिक से बनी इस तरह की स्कर्ट ब्रिटिश लुक देती है। आमतौर पर ये स्कर्ट नियोप्रीन, नेट आदि फैब्रिक से बनी होती हैं। यह स्पैगेटी, स्लीवलेस, लेयर्ड और क्रॉप टॉप के साथ अच्छी लगती है।

महलों की शाही दुनिया...

मैसूर पैलेस

आज हम आपको बताएंगे किसी जमाने में बादशाहों के शाही निवास और आज दुनिया के प्रसिद्ध स्मारक बन चुके महलों के बारे में। सैकड़ों साल पहले बसे इन महलों की दिलचस्प बात है कि इनमें इंडिया का मैसूर पैलेस भी है, जिसकी खूबसूरती के चर्चे दुनिया भर में हैं।

मैसूर पैलेस, भारत

इसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह दक्षिण भारत के मैसूर शहर में स्थित है। इसमें दो दरबार हॉल्स हैं। भारत में ताज महल के बाद टूरिस्ट्स के लिए मैसूर पैलेस आकर्षण का केंद्र है। इसे देखने के लिए हर साल यहां करीब 27 लाख टूरिस्ट्स आते हैं।

पैना नेशनल पैलेस, पुर्तगाल

इस महल का निर्माण 1840 में शुरू होकर 1885 में खत्म हुआ। इसी साल इसे बनाने वाले राजा फर्डिनेंड द्वितीय की मृत्यु हो गई। यह महल लिस्बन में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक मठ पर बना है। यह एक राष्ट्रीय स्मारक है और यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित हुआ है।

स्कॉनब्रून पैलेस, वियना

70 के दशक से यह महल वियना में आकर्षण का केंद्र है। इसमें 1441 शाही और आलीशान कमरे हैं। इस महल को सम्राट लियोपोल्ड-प्रथम के अनुरोध पर 1696 और 1712 के बीच बनाया गया था। यहां प्रिवी गार्डन, दुनिया का सबसे पुराना चिड़ियाघर, भूलभुलैया और पहाड़ की 60 मीटर ऊंची चोटी पर संगमरमर का एक कुंज भी है।

समर पैलेस, चीन

बीजिंग स्थित इस महल में बनी कुनमिंग लेक आकर्षण का केंद्र है। यह महल 2.9 स्क्वॉयर किलोमीटर के एरिया को कवर करता है। इसका तीन तिहाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है। यह जगह चीन के साम्राज्यवादी शासकों द्वारा एक ग्रीष्मकालीन आवास के रूप में इस्तेमाल की गई थी।

पैलेस ऑफ वर्सेल्स, फ्रांस

यह महल फ्रांस में है। इसे 1624 में लुई तेरहवें द्वारा बनाया गया। महल के अंदर एक मीटर ऊंचा और आधा टन का एक झूमर लगाया गया है। यह झूमर स्वारोस्की क्रिस्टल से सजा है। स्टील से बने ढांचे में इसे लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें एक लीड लाइटिंग सिस्टम भी है।

शैटा दे चमबोर्ड, फ्रांस

यह शाही महल भी फ्रांस में है। यह अपनी भव्य वास्तुकला के लिए दुनिया में पहचाना जाता है। यह इमारत राजा फ्रेंकोइस द्वारा बनाई गई थी। इस महल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। इस महल से प्रेरणा लेकर यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में फाउंडर्स बिल्डिंग बनी।

बकिंघम पैलेस, लंदन

बकिंघम हाउस वेस्टमिंस्टर के शहर में स्थित है। यहां शाही दावतें होती हैं और यह ब्रिटिश सम्राट का प्रमुख कार्यस्थल और निवास भी है। जब भी टूरिस्ट्स लंदन आते हैं, इस पैलेस को जरूर देखकर जाते हैं। हर साल ज्यादातर अगस्त और सितंबर में महल के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक तौर पर खोला जाता है।

अलहम्ब्रा, स्पेन

स्पेन में स्थित अलहम्ब्रा एक पैलेस और किला है। इसका निर्माण 889 में हुआ था और इसे एक किले के रूप में बनाया गया था। बाद में 1333 में ग्रेनेडा के सुल्तान यूसुफ प्रथम द्वारा इसे शाही महल में परिवर्तित किया गया। 1492 में इसके कुछ भाग को ईसाई शासकों ने भी इस्तेमाल किया।

पोताला पैलेस, चीन

पोताला पैलेस ल्हासा, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन में स्थित है। यह मार्पोरी पहाड़ी पर बना हुआ है और ल्हासा की घाटी से 130 मीटर की ऊंचाई पर है। यह तिब्बत में सबसे बड़ी स्मारकीय संरचना है। इस पैलेस का निर्माण 1645 में पांचवें दलाई लामा के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ और 1648 में पूरा हुआ। पोताला पैलेस तब तक दलाई लामा का निवास बना रहा, जब तक कि 14वें दलाई लामा भारत नहीं आ गए।

फॉरबिडन सिटी, चीन

यह दुनिया के सबसे सुंदर शाही महलों में से एक है। इसका निर्माण 1406 से 1420 के बीच हुआ था। यह बीजिंग, चीन के मध्य में स्थित है और अब इस पैलेस में संग्रहालय भी है। लगभग 500 वर्षों के लिए यह सम्राटों और उनके परिवारों का घर रहा है। इसमें 980 भवन हैं और यह 720,000 स्क्वॉयर मीटर कवर करते हैं।

संपादकीय

विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दे की बजाय वोटबैंक की चिंता

देश की सबसे बड़ी पंचायत 'संसद' में परीक्षा प्रणाली में सुधार और उसके लिए सरकार की ओर से लाए गए विधेयक 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा हो रही है। लेकिन, दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता विधेयक पर बोलने की बजाय इधर-उधर की बातें कर रहे हैं। पहले तो उन्होंने दो दिन हंगामा खड़ा करके विधेयक पर चर्चा ही नहीं होने दी और जब चर्चा प्रारंभ हुई तो विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दे की बजाय अपने परंपरागत वोटबैंक की चिंता की। इसके लिए उन्होंने एक हिन्दू पहचान के वैज्ञानिक का उपहास उड़ाया और बिलकिस बानो प्रकरण में नये शिक्षा मंत्र प्रह्लाद जोशी के बयान को गलत अर्थों में उल्लेखित किया। दोनों ही मामलों पर भाजपा ने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी को घेर लिया है। संसदीय लोकतंत्र में नीतियों, समितियों और विचारों पर मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब राजनीतिक तीखेपन और एक राष्ट्रीय विचार के संगठन के प्रति घृणा रखने के चक्कर में देश के शीर्ष वैज्ञानिकों एवं विद्वानों के समर्पण का उपहास उड़ाया जाने लगे, तो यह बहस का स्तर नहीं बल्कि सोच की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा नवगठित शिक्षा सुधार समिति के संदर्भ में दी गई टिप्पणी, जिसमें उन्होंने समिति के एक सदस्य को 'गोमूत्र विशेषज्ञ' कहकर संबोधित किया और उनका सामूहिक रूप से उपहास भी उड़ाया गया। यह बात किसी के लिए भी समझना कठिन नहीं है कि 'गोमूत्र' को आधार बनाकर एक शिक्षक एवं वैज्ञानिक पर टिप्पणी कर रहीं श्रीमती वाड्रा के निशाने पर कौन था और वे किसे प्रसन्न करना चाह रही थीं? यह घटना इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि सनातन मान्यताओं, प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और उन पर शोध या सकारात्मक विचार रखने वाले विद्वानों के प्रति कांग्रेसी नेताओं के मन में कितना दुराग्रह है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का दावा करने वाले दल जब भारतीय संस्कृति, आयुर्वेद या पारम्परिक मान्यताओं पर होने वाली चर्चाओं या शोध का मजाक उड़ाते हैं, तो वह उनकी 'प्रगतिशील' सोच नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान प्रणालियों के प्रति उनकी उपेक्षा और घृणा को दर्शाता है। गोमाता हिन्दू धर्म में पूजनीय है, उनसे जुड़े किसी प्रसंग का उपहास उड़ाना, हिन्दू धर्म का ही उपहास माना जाना चाहिए। श्रीमती वाड्रा और उनके साथ देने वाले सभी कांग्रेसी सांसदों को एक बार अपने भीतर जरूर झांकना चाहिए कि वे क्या कर रहे थे? श्रीमती वाड्रा कह रही थीं कि 'गोमूत्र विशेषज्ञ' क्या जाने शिक्षा के बारे में? किसी के बारे में ठीक-ठाक जानकारी न हो तो इस प्रकार का व्यंग्य नहीं करना चाहिए। उनके इस व्यंग्य ने मगध के दंभी सम्राट धनानंद और दरबार की याद दिला दी, जिसमें एक आचार्य का अपमान किया गया। इसी प्रकार की नीति का परिणाम कांग्रेस भुगत रही है। बहरहाल, कांग्रेस नेताओं को पता होना चाहिए कि वे जिनका उपहास उड़ा रहे थे, वे आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि हैं। उन्होंने भारत के पहले स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'शक्ति' के निर्माण का नेतृत्व किया और जिन्हें डीआरडीओ, अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फेलोशिप तथा वासविक रिसर्च अवार्ड जैसे शीर्ष सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इतने विद्वान व्यक्ति के कद को केवल एक रूढ़िवादी राजनीतिक तंज से बांधना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार, नये शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी की छवि पर आघात करने के उद्देश्य से उनके बयान को गलत ढंग से उल्लेखित किया गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रकार की टिप्पणियां कोई अनायास दिया गया बयान नहीं हैं, बल्कि यह कांग्रेस की उसी पुरानी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हैं जहाँ एक खास वर्ग को साधने और प्रसन्न करने के प्रयास किए जाते हैं। अच्छा होता कि कांग्रेस के नेता हिन्दू धर्म, मान्यताओं, परंपराओं, विद्वानों को निशाना बनाने की बजाय छात्रों से जुड़े मुद्दे पर ध्यान केन्द्रित करती।

'संसद' में परीक्षा प्रणाली में सुधार और उसके लिए सरकार की ओर से लाए गए विधेयक 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा हो रही है। लेकिन, दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता विधेयक पर बोलने की बजाय इधर-उधर की बातें कर रहे हैं। पहले तो उन्होंने दो दिन हंगामा खड़ा करके विधेयक पर चर्चा ही नहीं होने दी और जब चर्चा प्रारंभ हुई तो विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दे की बजाय अपने परंपरागत वोटबैंक की चिंता की। इसके लिए उन्होंने एक हिन्दू पहचान के वैज्ञानिक का उपहास उड़ाया और बिलकिस बानो प्रकरण में नये शिक्षा मंत्र प्रह्लाद जोशी के बयान को गलत अर्थों में उल्लेखित किया। दोनों ही मामलों पर भाजपा ने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी को घेर लिया है। संसदीय लोकतंत्र में नीतियों, समितियों और विचारों पर मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब राजनीतिक तीखेपन और एक राष्ट्रीय विचार के संगठन के प्रति घृणा रखने के चक्कर में देश के शीर्ष वैज्ञानिकों एवं विद्वानों के समर्पण का उपहास उड़ाया जाने लगे, तो यह बहस का स्तर नहीं बल्कि सोच की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है। पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे। भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो।

देश दुनिया से

अपने भीतर उम्मीद की किरण तलाश करें

ख़ुशी स्वास्थ्य व लंबी आयु की भविष्यवाणी करती है। ख़ुशी सामाजिक प्रगति व सार्वजनिक नीतियों की सफलता मापने का पैमाना है। लेकिन वे चीजें क्या हैं, जो हमें ख़ुशी प्रदान करती हैं? बिहेवियरल वैज्ञानिक इस बात का लंबे समय से अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन ख़ुशी ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप स्वयं हासिल कर लेती हैं। आपको अपने व्यवहार, आसपास की चीजों और अपने संबंधों में छोटे-छोटे परिवर्तन करने पड़ते हैं, जिन्हें करने में हर कोई सक्षम है, ताकि आप प्रसन्न जीवन के मार्ग पर निकल पड़ें। ख़ुशी अक्सर भीतर से आती है। इसलिए नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करना और हर दिन आशावाद से शुरू करना सीखें। सकारात्मक की बजाय खराब अनुभवों पर विचार करते रहना मानव प्रवृत्ति है, जो क्रमविकास से आई है और इससे हमें जिंदगीभर खतरनाक व दिल दुखाने वाली स्थितियों से बचने में मदद मिलती है तथा संकट में त्वरित प्रतिक्रिया करने में भी सहायता मिलती है। लेकिन इसका अर्थ यह है कि दिमाग को नकारात्मक ख्यालों को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित करने में आपको थोड़ा अधिक परिश्रम करना होगा। इस प्रकार से— नकारात्मक ख्यालों को रोकें नहीं। जब आप स्वयं से कहती हैं, 'मुझे यह सोचना बंद करना होगा', तो इस बारे में आप और अधिक सोचती हैं। अपनी चिंताओं को स्वीकार करें। जब आप नकारात्मक चक्र में होती हैं तो स्वीकार करें— 'मुझे पैसे की चिंता है', 'मुझे दफ्तर के काम की फिक्र है।' खुद से दोस्त की तरह व्यवहार करें। जब आप नकारात्मक महसूस कर रही हों तो सोचें कि आपकी जैसी स्थिति में आपका कोई दोस्त होता तो आप उसे क्या सलाह देतीं। उस सलाह को अपने ऊपर आजमाएं। अपने नकारात्मक विचारों को चुनौती दें। शोध बताते हैं कि यह तरीका डिप्रेशन के लक्षणों को कम कर देता है। लक्ष्य आपको नकारात्मक मानसिकता से निकालकर अधिक सकारात्मकता की ओर ले जाना है। आशावाद कुछ जेनेटिक होता है और कुछ सीखा जाता है। अगर आप उदास व्यक्तियों के परिवार में भी जन्मी हैं, तो भी अपने अंदर की उम्मीद की किरण तलाश सकती हैं। आशावाद का अर्थ खराब स्थिति के सत्य को नजरअंदाज करना नहीं है। मसलन, नौकरी छूटने के बाद बहुत से लोग हार मानकर यह सोचते हैं, 'मैं इससे कभी उभर नहीं पाऊंगा।' एक आशावादी व्यक्ति अधिक उम्मीद से चुनौती को स्वीकार करेगा और कहेगा, 'यह कठिन है, लेकिन मेरे लिए जीवन के लक्ष्यों को पुनः सोचने का अवसर भी है और मैं वह काम तलाश सकता हूं, जो मुझे वास्तव में ख़ुशी प्रदान करता है।' सकारात्मक सोचना और अपने आपको सकारात्मक लोगों से घिरे रखना वास्तव में लाभकारी है। निराशावाद की तरह आशावाद की भी लत लग जाती है। इसलिए आशावादी लोगों के साथ रहने का लक्ष्य बना लें। आप जहां रहती हैं— देश, शहर, पड़ोस और आपका घर— सभी आपकी संपूर्ण ख़ुशी को प्रभावित करते हैं। एक सीढ़ी की कल्पना कीजिए, जिसमें नीचे शून्य से लेकर ऊपर दस तक पायदान हैं। सीढ़ी का सबसे ऊपरी पायदान संभावित सर्वश्रेष्ठ जीवन का प्रतिनिधित्व करता है और निचला पायदान सबसे खराब जीवन का। इस समय आप व्यक्तिगत तौर पर अपने को किस पायदान पर खड़ा महसूस कर रही हैं? दुनियाभर में ख़ुशी को मापने व तुलना करने के लिए इसी ख़ुशी की सीढ़ी का प्रयोग किया जाता है। इस शोध को सार्वजनिक नीति गठित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन इससे व्यक्तिगत स्तर पर भी सबक लिया जा सकता है। पूर्ति व संतोष प्रदान करने वाला जॉब तलाशें; प्रसन्न जगह पर रहने का प्रयास करें; सामाजिक सहयोग से अपने को घेर लें; अपनी सेहत का ख्याल रखें; और (स्पिरिट, समय व पैसे में) उदार व दानी रहें, ताकि अपने लिए ख़ुशी का मार्ग प्रशस्त कर सकें। प्रकृति में समय गुजारें। शांत, पेड़ों से घिरी राहों पर चहलकदमी करने से मानसिक स्वास्थ्य में अर्थपूर्ण सुधार आता है। हद तो यह है कि प्रकृति की तस्वीरें देखने से भी मूड बेहतर हो जाता है। संगठित होना निस्संदेह मन व शरीर, दोनों के लिए अच्छा है। अत्यधिक फालतू चीजों का होना और असंगठित रहना अक्सर बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का लक्षण बनते हैं। स्वच्छ वातावरण में रहें, फालतू चीजों को बाहर निकालें, लेकिन जो चीजें आपको खुश रखती हैं, उन्हें बचाए रखें। ख़ुशी की संभावनाएं बेडरूम में बढ़ जाती हैं। यह वह जगह है, जहां हम सोते हैं और ख़ामोशी में विचार करते हैं। ये सभी गतिविधियां हमारी ख़ुशी को बेहतर करती हैं। इसलिए बेडरूम जीवन पर ध्यान केंद्रित कीजिए। ब्रिटिश शोधकर्ताओं के अनुसार ख़ुशी व स्वास्थ्य के सबसे सशक्त इंडेक्स नींद हैं। अगर आपकी लिविंग स्पेस आपकी ख़ुशी को प्रभावित कर रही है, तो अपने बेडरूम को उच्च प्राथमिकता दें। आराम में निवेश करें। आरामदायक चादर, तकिए व बेडिंग खरीदें। जब हम लोगों से जुड़ते हैं, उनसे संपर्क करते हैं, तो अधिक ख़ुश होते हैं। हमारी अपनी ख़ुशी दूसरों की ख़ुशी से जुड़ी हुई है, खासकर उनसे, जिनसे आप जुड़ी हुई हैं। जब हम खुश दोस्तों व परिवार के सदस्यों के करीब रहते हैं, तो हमारी ख़ुशी बढ़ जाती है। जानवर पालना भी ख़ुशी बढ़ा देता है। पैसा ज़रूरी है, लेकिन वह आपको ख़ुश रखे, यह ज़रूरी नहीं। हां, अर्थपूर्ण कार्य और थोड़ा अतिरिक्त समय आपको ख़ुश रखेगा। कार्य में उद्देश्य तलाशें।

कुछ अलग

ध्यानमग्न शिव, जलाभिषेक और शिवपुराण की दिव्यता

श्रावण माह में सनातनी परंपरा में भोलेनाथ का व्रत करने के साथ ही उनका अभिषेक करने का नियम है। शिवपुराण का श्रवण इस माह में विशेष फल देता है। कुछ भक्त सिर्फ सावन के सभी सोमवार का व्रत करते हैं और कुछ व्रत के साथ ही उनका अभिषेक भी करते हैं। अभिषेक करने के लिए सहस्रघट के साथ ही विभिन्न पूजा-अर्चना का विधान है। ऐसे में यदि आपका मन दुनिया की सबसे बड़ी शिवमूर्ति पर भोलेनाथ का अभिषेक करने का हो तो आपको नाथद्वारा से अच्छा दूसरा स्थान नहीं मिलेगा। यहां पर न सिर्फ सबसे बड़ी शिवमूर्ति है, बल्कि आप चाहें तो इसके मस्तक तक जाकर प्रभु का जलाभिषेक भी कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको सृष्टि की रचना और शिव के विभिन्न रूपों के दर्शन भी विराट रूप में हो जाते हैं। शिव के जो रूप नजर आते हैं, वे हमारे शिवपुराण के कुछ अंश ही हैं। राजस्थान के राजसमंद जिले के नाथद्वारा में यह मूर्ति शहर में प्रवेश करते ही नजर आने लगती है। कहा जाता है कि यह मूर्ति विश्व की सबसे बड़ी शिव प्रतिमा है। शिव के विभिन्न स्थानों, चाहे वे केदारनाथ हों या अमरनाथ हों, या फिर तुंगनाथ और महाकाल ही क्यों न हों, सभी जगह पर आपको स्वयंभू शिवलिंग या शिव के उन रूपों के दर्शन-अर्चन का सौभाग्य प्राप्त होता है, जो सदियों से परंपरागत हैं। इस मामले में नाथद्वारा की स्टैच्यू ऑफ बिलीफ अर्थात् विश्वास स्वरूपम् अनूठी है। यहां पर आप भगवान के ध्यान मुद्रा में दर्शन करते हैं। गणेश टेकरी पहाड़ी पर बनी इस मूर्ति पर शिव का ध्यान मुद्रा में अभिषेक करना एक अलग ही अनुभव देता है। आप यदि मूर्ति के भीतर जाकर इसके विभिन्न अंगों के दर्शन करना चाहें तो वह भी कर सकते हैं।

आप का नज़रिया

मिलावट : मानवता के विरुद्ध महाअपराध, अब केवल कठोरतम दंड ही समाधान

मिलावट केवल खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक विश्वास पर सीधा एवं संगठित हमला है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि शायद ही कोई ऐसी वस्तु बची हो जो मिलावट की चपेट में न आई हो। दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाइयाँ, फल-सब्जियाँ, पेय पदार्थ और यहाँ तक कि जीवनरक्षक दवाओं में भी मिलावट के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल उपभोक्ताओं के साथ धोखा नहीं, बल्कि पूरे समाज के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

हर दिन करोड़ों लोग अनजाने में ऐसे खाद्य एवं उपभोग की वस्तुओं का सेवन कर रहे हैं जिनमें हानिकारक और विषैले तत्व मिले होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कैंसर, मधुमेह, किडनी एवं लीवर संबंधी रोग, हृदय रोग तथा अनेक असाध्य बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे न केवल लाखों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँसते हैं, बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था, उत्पादकता और अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ पड़ता है।

वास्तविकता यह है कि मिलावट कोई साधारण अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक अपराध है, जिसका उद्देश्य केवल अधिक लाभ कमाना होता है। इस लालच की कीमत निर्दोष नागरिक अपने स्वास्थ्य और कई बार अपने जीवन से चुकाते हैं। ऐसे अपराधियों के प्रति सहानुभूति या नरमी का कोई औचित्य नहीं हो सकता।

मेरी दृढ़ राय है कि सरकार को मिलावट के मामलों में अत्यंत कठोर नीति अपनानी चाहिए। ऐसे मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालतों में समयबद्ध ढंग से होनी चाहिए तथा दोष सिद्ध होने पर अपराधियों को सार्वजनिक रूप से फांसी की सज़ा दी जानी चाहिए। कुछ दोषियों को कठोरतम दंड मिलने से पूरे देश में यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि मानव जीवन के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

मिलावट से जुड़े मामलों में किसी प्रकार का समझौता, राजनीतिक हस्तक्षेप अथवा प्रभाव स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। कानून का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और कठोरता के साथ होना चाहिए। नियमित निरीक्षण, व्यापक छापेमारी, आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक परीक्षण, संबंधित अधिकारियों की स्पष्ट जवाबदेही तथा भारी आर्थिक दंड जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना समय की आवश्यकता है।

साथ ही, केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। निर्माता से लेकर थोक एवं खुदरा विक्रेता तक पूरी आपूर्ति शृंखला पर निरंतर निगरानी आवश्यक है। उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाए, शिकायतकर्ताओं को पर्याप्त कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाए तथा मिलावट के विरुद्ध व्यापक जन-जागरूकता अभियान राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जाएँ।

शुद्ध, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार है। सरकार का प्रथम दायित्व है कि वह सभी प्रकार के दबावों से ऊपर उठकर जनता के स्वास्थ्य की रक्षा सुनिश्चित करे। मिलावट के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नीति का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए।

एक स्वस्थ नागरिक ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है। यदि हमें विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है, तो सबसे पहले नागरिकों के भोजन की शुद्धता सुनिश्चित करनी होगी। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि कानून इतना प्रभावी और कठोर बने कि कोई भी व्यक्ति लालच में आकर किसी की ज़िंदगी से खिलवाड़ करने का साहस न कर सके।

मिलावट केवल अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध महाअपराध है और इसे उसी कठोरता के साथ दंडित किया जाना चाहिए।

डॉ. अजय कुमार अग्रवाल
नेशनल प्रेसिडेंट, इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस
ब्रिटिश पार्लियामेंट, लंदन में भारत गौरव अवॉर्ड से सम्मानित
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स होल्डर
दुबई में ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित

दृष्टि कोण

विदेश नीति पर गहन विचार मंथन का वक्त

प्रधानमंत्री मोदी 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दुनिया के कुछ सबसे ताकतवर नेताओं का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं—इसके तहत वे न सिर्फ़ घरेलू स्तर पर ज़ेन ज़ी के विरोध-प्रदर्शनों से बढ़ा तनाव कम करने के लिए इंस्टाग्राम पर युवाओं को सीधे संबोधित करती सेल्फ़ी रील्स पोस्ट करने, संसद में रिकॉर्ड समय में पेपर लीक विरोधी कानून पास करने या फिर प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने जैसी व्यक्तिगत कोशिशें कर रहे हैं -बल्कि धारा के विपरीत खड़े होकर उन लोगों को भी नई दिल्ली बुलाने को इच्छुक हैं, जिन्हें अमेरिका ने वर्जित बना दिया है। इनमें से एक व्यक्ति हैं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन। उनके देश के ख़िलाफ़ अमेरिकी सीनेट ने पिछले हफ़्ते भारी बहुमत (86-12 वोट) से 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट ऑफ़ 2026' पास किया है। इसके तहत, जो भी देश रूस से ऊर्जा या सैन्य उपकरण खरीदते हैं, उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। रशिया एक्ट में पुतिन और रूसी रक्षा उद्योग से जुड़े 20 अन्य बड़े लोगों पर भी नए प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। सर्वप्रथम, कुछ उघड़े तथ्य। चीन, भारत और तुर्किए रूसी ऊर्जा के चोटी के पांच खरीदारों में शामिल हैं। अमेरिका के साथ रक्षा तंत्र संधि के बावजूद - जिसमें ज़मीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबरस्पेस जैसे सभी क्षेत्रों में 'आपसी तालमेल' को मज़बूत करने का वादा किया गया है - भारत रूसी हथियारों का एक अहम खरीदार बना हुआ है। अमेरिकी संसद के अनुसार, 2008 से लेकर भारत के रक्षा आयात का 59 फीसदी रूस से, 12 प्रतिशत फ्रांस से, 10 फीसदी अमेरिका से और 9.5 फीसदी इस्राइल से आया है। रूसी उपकरणों में से सिर्फ़ दो-एस 400 मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल - ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पलड़ा भारी करने में अहम भूमिका निभाई थी। (यह अलग बात है कि डोनाल्ड ट्रंप दावा करते हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष उनकी मध्यस्थता से रुका, लेकिन भारत इस बात से पुरजोर इनकार करता है।) जहां तक रूसी ऊर्जा की खरीद की बात है, वास्तविक समय में वैश्विक डेटा और विश्लेषण मुहैया करवाने वाली कंपनी 'कप्लेर' का कहना है कि मार्च-जून 2026 के दौरान रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद 20 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक रही और अब यह 30 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंचने की राह पर है। (इस अवधि में, भारत ने रूस से 244.89 मिलियन बैरल, यूएई से 58.57 मिलियन बैरल और सऊदी अरब से 57.62 मिलियन बैरल तेल खरीदा।) इसका अर्थ है कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आपूर्ति का 50 फीसदी भाग रूस से पूरा होता है, जो बहुत बड़ी बात है। साफ़ है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने और अमेरिका-ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के कारण लाल सागर में भी तनाव कम न होने की वजह से, भारत को सस्ता रूसी तेल फिर से खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ऐसा तब हो रहा है जब भारत पहले यह वादा कर चुका है कि आसन्न अमेरिकी टैरिफ के खतरे के मद्देनज़र वह इस निर्भरता को खत्म कर देगा। सवाल यह है कि क्या हाल ही में पास हुए 'रूस एक्ट' के तहत अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत इस सारे फायदे को छोड़ देगा? साफ़ है, इसका जवाब 'नहीं' है। गरीबी और बेरोज़गारी जैसी बुराइयों को दूर रखने और अर्थव्यवस्था को सुचारु चलाते रहने के लिए भारत को सस्ते रूसी कच्चे तेल की ज़रूरत है। यह समझने के लिए किसी विशेषज्ञता की ज़रूरत नहीं कि जेन ज़ी (नई पीढ़ी) के विरोध प्रदर्शन सिर्फ़ नीट पेपर लीक की वजह से नहीं हुए, बल्कि बढ़ती कीमतों व नौकरियों की कमी को लेकर तेज़ी से बढ़ती निराशा की वजह से भी हुए हैं। विदेश नीति और राष्ट्रीय हित पर मौजूदा विमर्श के साथ समस्या यह है कि असल में कोई विमर्श हो ही नहीं रहा।

मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी में चल रही खींचतान

लंदन

स्पेन के दिग्गज मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ को को लेकर आजकल यूरोपीय फुटबाल के दो बड़े क्लबों रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी है। इसी कारण रोड्री ट्रांसफर बाजार में इस समय चर्चाओं में बने हुए हैं। रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है, लेकिन मैनचेस्टर सिटी के साथ उनकी कीमत को लेकर बड़ी बाधा सामने आ रही है।

मौजूदा जानकारी के अनुसार, मैनचेस्टर सिटी अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की मांग कर रहा है, जबकि रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है।

वहीं मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। इस बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता निकालना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि हर्नांडेज़ को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। पिछले कई साल से उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए कई बड़े मुकाबलों में असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मजबूती उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत करने के लिए लंबे समय से रोड्री पर विचार कर रहा है।

रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है। यदि मैनचेस्टर सिटी समय रहते रोड्री के साथ एक नया दीर्घकालिक अनुबंध हासिल नहीं कर पाता है, तो भविष्य में खिलाड़ी की बाजार कीमत प्रभावित हो सकती है। ऐसे में मैनचेस्टर सिटी के सामने यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसला होगा कि वह अभी एक बड़े ट्रांसफर शुल्क पर विचार करे या खिलाड़ी को अपने साथ बनाए रखने का जोखिम उठाए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोड्री भी व्यक्तिगत और पेशेवर फुटबाल से जुड़े कारणों से एक नई चुनौती स्वीकार करने तैयर हैं। इसी वजह से रियल मैड्रिड में शामिल होने की उनकी संभावना को लेकर अटकलें लगातार तेज हो रही हैं। हालांकि, खिलाड़ी या दोनों में से किसी भी क्लब की ओर से अब तक किसी अंतिम समझौते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, जिससे स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। रोड्री ने हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2026 के विश्व कप में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित स्वर्ण गेंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिसके बाद से यूरोप के कई शीर्ष क्लबों की नजर उन पर बनी हुई है। यह उनकी वैश्विक पहचान और खेल के प्रति उनकी निरंतरता का प्रमाण है।

न्यूज ब्रीफ

असाधारण साहस और इच्छाशक्ति से राष्ट्रमंडल खेलों तक पहुंचे शुभम

ग्लासगो। राष्ट्रमण्डल खेलों की शाट पुट स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पैरा एथलीट शुभम जुयाल का

पोडियम तक का सफर आसान नहीं रहा है। शुभम की ये उपलब्धि उनके असाधारण साहस और इच्छाशक्ति को दिखाती है, क्योंकि ठीक चार साल पहले वह जिंदगी की जंग लड़ रहे थे। तब वह आईसीयू में थे। उस दिन उनका एक पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा था और इससे उनका भारतीय सेना में शामिल होने का सपना तक टूट गया था। इससे जुयाल को ऐसा लग रहा था जैसे जिंदगी बुरी तरह थम गई हो। वहीं अब उनके पास एक रजत है। अपनी इस यात्रा को याद करते हुए जुयाल ने से कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि ठीक चार साल पहले, 1 अगस्त को मैं आईसीयू में था। मेरा पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा था और उस समय मैं पूरी तरह से निराश और बिना किसी मकसद के था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि चार साल बाद मैं राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लूंगा, रजत पदक जीतने की तो बात ही छोड़िए। जिंदगी बदलने वाले उस हादसे से पहले जुयाल का एकमात्र मकसद भारतीय सेना में सेवा करना था। 26 साल की उम्र में उन्होंने आर्मी कैडेट कालेज एंट्री स्कीम के लिए लिखित परीक्षा पास की थी और प्रतिष्ठित एसएसबी इंटरव्यू से बस एक हफ्ता दूर थे, तभी एक गंभीर मोटरसाइकिल दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने याद करते हुए कहा, चार साल पहले, मेरा मकसद आर्मी आफिसर बनना था। मुझे नहीं पता था कि हादसे के बाद मैं जिंदगी में क्या करूंगा। जुयाल की जिंदगी में अहम मोड़ 2023 में आया जब वे आर्मी पैरालंपिक नोड में शामिल हुए। वहीं उनकी मुलाकात सूबेदार मेजर आर के सिंह रावत से हुई, जिन्होंने उनकी किस्मत बदलने में मदद की। उस समय, जुयाल का पैरा-एथलेटिक्स में कोई अनुभव नहीं था। जुयाल ने माना, मुझे शाट पुट के बारे में शून्य जानकारी थी। लेकिन मेरे कोच ने मुझे प्रेरित किया और सब कुछ सिखाया।

डब्ल्यूटीसी का ध्यान छोड़ हर जगह जीतने वाली टीम बनायें : दासगुप्ता

मुम्बई। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि भारतीय टीम को अभी विश्व टेस्ट

चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की चिन्ता छोड़कर आने वाले मुकाबलों पर ध्यान देना चाहिये। दासगुप्ता के अनुसार पहले एक मजबूत टीम बनाना जरुरी है। जैसी की साल 2020-21 में थी जो विश्व में कहीं भी जीत हासिल कर सकती थी। भारतीय टीम अभी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है, और श्रीलंका के खिलाफ उसे 15 अगस्त से शुरू हो रही सीरीज जीतनी है जिससे कि वह डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी रहे। उसी को लेकर टीम पर दबाव है। इसी को लेकर दासगुप्ता ने कहा कि टेस्ट टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। उनके अनुसार, ऐसे समय में टीम की निरंतर प्रगति सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, लोग मेरी बात से असहमत हो सकते हैं, लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के बारे में सोचना अभी जरुरी नहीं है। हमें ऐसी टेस्ट टीम बनानी चाहिए जो 2020-21 में जैसी थी जो घर और विदेश दोनों जगह लगातार सीरीज जीतने वाली। दासगुप्ता का मानना है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल पर लगातार ध्यान देने से टीम शार्टकट अपना सकती है और उसका ध्यान सिर्फ अगले मैच या सीरीज को जीतने तक सीमित रह जाएगा। उन्होंने इसे सही तरीका नहीं माना है और कहा कि अस्थायी समाधान की जगह भविष्य के लिए बेहतर टीम बनाना जरुरी है। उन्होंने माना है कि घरेलू टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

आस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा:भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

मुम्बई। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फार्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी आफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें आस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें आस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50-ओवर के मैच और दो चार-दिवसीय मैच खेलेगी। ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें आस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन पर मांडविया ने जताया गर्व, बोले- भारत ने बढ़ती खेल ताकत का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने सीमित खेलों वाले इस संस्करण में भी अपनी बढ़ती खेल ताकत का शानदार परिचय दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2030 में अहमदाबाद में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का शताब्दी संस्करण भारत इतिहास के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बनाएगा।

मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 का समापन शानदार चौथे स्थान के साथ किया। ग्लासगो 2026 का यह संस्करण सीमित खेलों वाला था और इसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। इसके बावजूद भारतीय दल ने बर्मिंघम 2022 में समान खेलों में जीते गए 30 पदकों की तुलना में इस बार 39 पदक जीतकर उल्लेखनीय सुधार किया है।

उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की गहराई और मजबूती लगातार बढ़ रही है। तिरंगे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाले हर खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ पर हमें गर्व है।

मांडविया ने आगे कहा, अब जब भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी संस्करण की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, हमारा संकल्प है कि हम खेलों के इतिहास के सबसे शानदार आयोजनों में से एक का आयोजन करें।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए। सीमित खेलों के बावजूद भारत ने मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, जूडो, पैरा खेलों और भारोत्तोलन जैसे खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

पदक तालिका में आस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे और कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्काटलैंड ने भी 39 पदक जीते, लेकिन भारत से कम रजत पदक होने के कारण उसे पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा।

11 दिनों तक चले इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारत राष्ट्रमंडल देशों की प्रमुख खेल शक्तियों में शामिल है और अब उसकी नजरें अहमदाबाद 2030 में सफल मेजबानी के साथ-साथ और भी बेहतर प्रदर्शन पर टिकी हैं।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह, आकिब नबी को मिला मौका

नई दिल्ली

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहली बार भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में शामिल किया है।

बीसीसीआई के अनुसार, बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी बाएं घुटने की चोट से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। इसी वजह से उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं माना गया और चयन समिति ने उनके स्थान पर आकिब नबी को मौका दिया।

आकिब नबी के लिए यह भारतीय सीनियर टीम में पहला चयन है। जम्मू-कश्मीर के इस युवा तेज गेंदबाज ने पिछले दो रणजी ट्राफी सत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 104 विकेट अपने नाम किए हैं। इनमें 2025-26 रणजी ट्राफी सीजन में 60 विकेट शामिल हैं। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने अपने इतिहास में पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब जीता।

हाल ही में आकिब नबी भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे, जहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मुकाबलों में छह विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

श्रीलंका के खिलाफ भारत की संशोधित टेस्ट टीम:

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन , ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

साई सुदर्शन का चयन फिटनेस मंजूरी मिलने के अधीन रहेगा।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा। पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

विश्व कप में मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों ने लगाये हैं सबसे तेज शतक

मुम्बई

विश्व क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने ऐसी तेज पारियां खेली है। जिससे नये निकार्ड बने हैं। विश्वकप क्रिकेट में इन बल्लेबाजों ने अपनी आक्रामक पारियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के साथ ही अपनी टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई है। इन खिलाड़ियों ने अपनी पारियों से मैच तक बदल दिये हैं विश्व कप में आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम सहित इन खिलाड़ियों के नाम सबसे तेज शतक के रिकार्ड हैं।

ग्लेन मैक्सवैल : साल 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में मैक्सवेल ने नीदरलैंड्स के खिलाफ केवल 40 गेंदों में विश्व कप इतिहास का सबसे तेज़ शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया। उन्होंने कुल 44 गेंदों में 106 रन की विस्फोटक पारी खेली, जो आक्रामक बल्लेबाजी का एक नया पैमाना बन गई और उनकी टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं 2015 के विश्व कप में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मैक्सवेल ने श्रीलंका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मैदान के चारों तरफ अनोखे और अकल्पनीय शाट्स खेलते हुए उन्होंने मात्र 51 गेंदों में अपना पहला विश्व कप शतक पूरा किया। मैक्सवेल ने 53 गेंदों का सामना करते हुए 102 रन की आतिशी पारी खेली और आस्ट्रेलियाई टीम को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया, जिससे उनकी टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

एडन मार्करम : वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम ने श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने केवल 49 गेंदों में शतक पूरा किया। मार्करम ने अपनी 54 गेंदों की पारी में 106 रन बनाये और टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचाया। मैक्सवेल के तूफान से पहले तक, यह एकदिवसीय विश्व कप का सबसे तेज शतक था। केविन ओब्रायन : वहीं अगर क्रिकेट विश्व कप के सबसे तेज शतकों की बात की जाए, तो आयरलैंड के केविन ओब्रायन की पारी को हमेशा याद किया जाता है। 2011 विश्व कप में बेंगलुरु में इंग्लैंड ने आयरलैंड को 328 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था। एक समय आयरलैंड की हार तय लग रही थी, तभी ओब्रायन क्रीज़ पर उतरे और उन्होंने केवल 50 गेंदों में तूफानी शतक पूरा किया और 63 गेंदों पर 113 रन की मैच विजेता पारी खेलकर आयरलैंड को विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर करने में मदद की। उनका यह रिकार्ड 12 सालों तक अटूट रहा।

एबी डिविलियर्स : दक्षिण अफ्रीका के मिस्टर 360 डिग्री एबी डिविलियर्स ने साल 2015 के विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही शतक लगा दिया।

रहाणे की जगह कप्तानी के दावेदार है रिंकू सहित ये तीन क्रिकेटर

मुम्बई

अजिंक्य रहाणे के खेल को अलविदा कहने के बाद अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) नये कप्तान की तलाश में लग गयी है। उसकी कप्तानी की दौड़ में रिंकू सिंह सबसे आगे हैं। रिंकू के अलावा कैमरन ग्रीन और वरुण चक्रवर्ती भी दावेदारों में शामिल हैं। रहाणे ने आईपीएल 2025 और 2026 के दो सीज़न में केकेआर की कमान संभाली थी।

इन दो वर्षों में उन्होंने कुल 27 मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें उन्हें 11 जीत और 14 हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उनके अनुभव ने हमेशा टीम को मार्गदर्शन दिया, लेकिन अब जब

वह खेल से दूर हो गए हैं, तो केकेआर को साल 2027 सत्र के लिए नया कप्तान तलाशना है।

इस दौड़ में सबसे आगे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई साल से केकेआर के प्रशंसकों के दिलों में छाये रिंकू, आईपीएल 2026 में रहाणे के साथ उप-कप्तान भी रहे चुके हैं और अब कप्तानी की रेस में सबसे प्रबल दावेदार हैं। नाइट राइडर्स के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत से ही बने रहे रिंकू ने अब तक 73 मैचों में 1,394 रन बनाए हैं। दबाव में शांत रहना और महत्वपूर्ण मौकों पर मैच खत्म करना उनकी पहचान है।

वहीं दूसरे दावेदार आस्ट्रेलियाई स्टार आलराउंडर कैमरन ग्रीन हैं। आईपीएल 2026 की नीलामी में जब केकेआर ने ग्रीन पर 25.20 करोड़ रुपये की बड़ी बोली लगाई थी, तो यह स्पष्ट था कि फ्रेंचाइजी उनमें अपना भविष्य देख रही है। ग्रीन ने अपनी कीमत को सही ठहराते हुए 2026 सीज़न के सभी 14 लीग मैच खेले और 322 रन बनाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर का विशाल अनुभव और आधुनिक टी20 क्रिकेट की गहरी समझ ग्रीन को केकेआर की कप्तानी की दौड़ में अहम बनाती है।

तीसरा नाम रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का है। वरुण केवल एक गेंदबाज नहीं हैं, बल्कि केकेआर के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। वह फ्रेंचाइजी के लिए 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं और केकेआर के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वरुण के पास नेतृत्व का अनुभव भी है, क्योंकि वह घरेलू क्रिकेट की प्रतिष्ठित सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में तमिलनाडु की कप्तानी कर चुके हैं। अगर केकेआर किसी भारतीय और अनुभवी चेहरे पर दांव लगाना चाहती है, तो वरुण एक चौंकाने वाले लेकिन बेहद सटीक कप्तान साबित हो सकते हैं। अब देखना होगा कि फ्रेंचाइजी अनुभव, युवा ऊर्जा या घरेलू नेतृत्व में से किसे प्राथमिकता देती है ताकि टीम अगले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करे।

ट्रिनिटी इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन डे आयोजित

पेद्दापल्ली, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ट्रिनिटी इंजीनियरिंग कॉलेज, पेद्दापल्ली के सेमिनार हॉल में प्रथम वर्ष के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग शिक्षा, करियर की संभावनाओं तथा संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों से परिचित कराना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आचार्य प्रो. डॉ. सतीश, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, जेएनटीयू, कोंडागट्टू (जगतियाल), ट्रिनिटी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक अध्यक्ष दसारी मनोहर रेड्डी तथा मोटिवेशनल स्पीकर श्रीनिवास उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में प्रो. डॉ. सतीश ने कहा कि यदि विद्यार्थी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के प्रथम दिन से ही विद्यार्थियों को अपने करियर का लक्ष्य तय कर अनुशासन, मेहनत और निरंतर सीखने की आदत विकसित करनी चाहिए। नई तकनीकों को अपनाकर और व्यावहारिक ज्ञान अर्जित कर वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ट्रिनिटी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक अध्यक्ष दसारी मनोहर रेड्डी ने कहा कि अनुशासन और लगन रखने वाले विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रिनिटी इंजीनियरिंग कॉलेज पिछले 40 वर्षों से दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य को संवारने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे किसी भी शाखा का चयन करें, यदि वे समर्पण के साथ अध्ययन करेंगे तो रोजगार के अवसर अवश्य प्राप्त होंगे। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की पढ़ाई पर नियमित ध्यान देने और उन्हें सही दिशा में प्रेरित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बताया गया कि संस्थान में 18 वर्षों से अधिक अनुभव वाले प्राध्यापक विद्यार्थियों को शिक्षण प्रदान कर रहे हैं। विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए नियमित रूप से सेमिनार, इंडस्ट्रियल विजिट, कौशल विकास कार्यक्रम, कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव तथा अन्य व्यावहारिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

कॉलेज के निदेशक डॉ. अशोक कुमार एवं प्राचार्य डॉ. मणि गणेशन ने कहा कि संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष दसारी मनोहर रेड्डी तथा अध्यक्ष दसारी प्रशांत रेड्डी के मार्गदर्शन में कॉलेज ने एनएएसी (छअअउ) मान्यता एवं ऑटोनॉमस का दर्जा प्राप्त किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में संस्थान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होने की दिशा में भी आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि जिले के एकमात्र ऑटोनॉमस इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक पाठ्यक्रम, उत्कृष्ट शिक्षण एवं बेहतर करियर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम में प्रो. डॉ. सतीश, श्रीनिवास, निदेशक डॉ. अशोक कुमार, प्राचार्य डॉ. मणि गणेशन, एओ सुरेश, राजी रेड्डी, चोपारी वामसी, विभागाध्यक्ष पद्मिनी, स्वाति, लक्ष्मी, प्रभाकर, डॉ. आरिफ, वरिष्ठ प्राध्यापक वेंकटस्वामी, महेंद्र, राममूर्ति, कोप्पुला श्रीनिवास, किशन, रविंदर, राजू, विजया, चंद्रशेखर, भाविता, पुष्पलता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

सेवा ही राधे रानी की सच्ची भक्ति : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। सेवा कार्य में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप में जो सेवा, समर्पण और अपनत्व का भाव दिखाई देता है, वह श्री राधे रानी की असीम कृपा का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, लेकिन राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भाव, अनुशासन, प्रेम और पारिवारिक वातावरण के साथ सेवा कार्य करता है, वही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। यही कारण है कि जो भी व्यक्ति इस सेवा परिवार से जुड़ता है, उसके मन में समाज और मानवता के लिए कुछ करने की प्रेरणा स्वतः जागृत हो जाती है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल किसी की भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह इंसानियत, संवेदनशीलता और भारतीय संस्कृति के महान संस्कारों का प्रतीक है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने नियमित रूप से सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

नेनु साइथम अभियान के तहत 50 विद्यार्थियों को वितरित की गई ड्राइंग सामग्री

मंचेरियल, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैं भी (नेनु साइथम) अभियान के तहत सोमवार को मंचेरियल जिले के डोनाबंडा स्थित पीएम श्री जिला परिषद विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोतागुडेम पुलिस थाना के सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) चेन्नूरि श्रीनिवास एवं विद्यालय के ड्राइंग शिक्षक श्री मूर्ति के नेतृत्व में 50 विद्यार्थियों को ड्राइंग सामग्री वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीआई चेन्नूरि श्रीनिवास ने विद्यार्थियों से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद कर देता है, इसलिए विद्यार्थियों को सदैव स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सीआई श्रीनिवास ने विद्यार्थियों को पॉक्सो कानून की महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा विद्यालय परिसर में किसी भी परिस्थिति में रैगिंग को स्थान न देने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, पारस्परिक सम्मान और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का आग्रह किया। साथ ही बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में प्रभारी प्रधानाध्यापक नीलेश काछवाल, विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सीआई चेन्नूरि श्रीनिवास का भव्य स्वागत कर उनका सम्मान भी किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

PK...

इसके बाद वे 2025 तक लगातार इस सीट पर जीतते आ रहे हैं। लेकिन बांकीपुर उपचुनाव में पीके ने सारी बनी-बनाई धारणाएं तोड़ थी और बीजेपी को शिकस्त स्वीकार करने पर मजबूर कर दिया।

बांकीपुर में चुनाव प्रचार के दौरान नितिन नवीन ने कहा था, जो समर्थन जनता का दिख रहा है. वो निश्चित रूप से तीन अगस्त को फिर से बीजेपी का कमल खिलाएगी, लेकिन बांकीपुर का मिजाज उप चुनाव की घोषणा के बाद ही नित नवीन पहचान तलाश रहा था और इस मुहिम में पीके सबसे आगे रहे।

2025 के चुनाव में नितिन नवीन बांकीपुर से जीते थे। लेकिन जब बीजेपी ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष खोजना शुरू किया तो मोदी-शाह की नजरें नितिन नवीन पर जा टिकीं। नितिन नवीन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और राज्यसभा पहुंच गए। अब ये सीट खाली थी।

उपचुनाव में भाजपा ने युवा नेता नीरज कुमार सिन्हा को मैदान में उतारा। आरजेडी ने रेखा कुमारी को टिकट दिया, लेकिन मैदान में सबसे बड़ा सरप्राइज जन सुराज के प्रशांत किशोर ने दिया। कुछ ही महीने पहले बिहार विधानसभा चुनाव में भयानक हार झेलने वाली पीके ने एक इस सीट पर अपनी दमदार दावेदारी झोंक दी।

टिकट बंटवारे का लचर इंतजाम

पीके जितनी मजबूती के साथ इस सीट पर उतरे, बीजेपी उतनी ही लचर इंतजाम के साथ आई।

बीजेपी ने पहले नितिन नवीन के करीबी अभिषेक कुमार बंटी को टिकट दिया, लेकिन नामांकन के एक दिन बाद ही उन्हें पारिवारिक कारणों से हटा दिया गया और उनकी जगह नीरज कुमार सिन्हा को टिकट दिया गया। नीरज पीके के सामने अपेक्षाकृत कैंडिडेट थे।

यह बदलाव पार्टी की लापरवाही, बैकग्राउंड चेक की कमी और आंतरिक गुटबाजी दर्शाता है। सुरक्षित सीट पर अति-आत्मविश्वास ने अभियान को ठेस पहुंचाया और विपक्ष को हमले का मौका दिया। इससे मतदाताओं को संदेश गया कि पार्टी इस सीट को गंभीरता से नहीं ले रही है।

राजनीति के माहिर खिलाड़ी पीके ने इन मुद्दों को खूब उठाया। उनका निशाना सीधे सीएम सम्राट चौधरी था।इसे उन्होंने चुनाव अभियान की शुरुआत से लेकर जीत के बाद तक जारी रखा है।

लिखकर ले लीजिए...

चुनाव प्रचार के दौरान पीके ने कहा था, आपका एक वोट एक विधायक नहीं चुनेगा। मुख्यमंत्री बदल देगा। अगर सम्राट चौधरी को हटाना चाहते हैं तो बीजेपी को बांकीपुर में हटाइए। लिखकर ले लीजिएगा सम्राट चौधरी को हटाने का रास्ता खुल जाएगा।

इस बीच नीट पेपर लीक, भरत तिवारी एनकाउंटर जैसे मुद्दों ने बीजेपी की भद्द पिटवाई. पीके ने जनता की भावनाओं को आवाज दी।

इससे उनके पक्ष में गोलबंदी हुई। जनता के सामने जब नीरज कुमार सिन्हा और पीके के बीच विकल्प चुनने का मौका आया तो बीजेपी के नमक से बंधा रहने वाले वोटर ने भी इस बार बदलाव को तवज्जो दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार पीके ने 19324 वोटों से जीत हासिल की है। आरजेडी कैंडिडेट की जमानत जब्त हो गई।

लेकिन आंकड़ों का विश्लेषण कई और कहानी खोलते हैं चुनाव के नतीजे बताते हैं कि बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत सवर्ण वोटर इस सीट पर बीजेपी से नाराज है।1995 से जहां बीजेपी लगातार जिस इलाके में जीतती रही वहां भगवा पर पीके का पीला रंग चढ़ जाना, लोगों की नाराजगी का संकेत है।

पटना की जिस बांकीपुर में बीजेपी को 2005 से कुल वोटों का 59 फीसदी से कम नहीं मिला। जिस बांकीपुर में 9 महीने पहले चुनाव में नितिन नवीन को 63 फीसदी वोट मिला, वहां अबकी बार बीजेपी प्रत्याशी को केवल 34.50 फीसदी वोट मिला है, जबकि प्रशांत किशोर 49.23 फीसदी वोट लेकर जीते हैं।

बांकीपुर से बैंगलोर नहीं बन जाएगा

चुनाव जीतने के बाद पीके ने सधी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा है कि उनके जीतने से बांकीपुर बैंगलोर नहीं बन जाएगा। पीके मतदाताओं की उम्मीदों को कोई झूठा दिलासा नहीं देना चाहते हैं, लेकिन बदलाव की बात जरूर करते हैं। बदलाव के उनके एजेंडे में सीएम सम्राट चौधरी को हटाना उनकी पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, सुधार का प्रयास करेंगे। बड़ी-बड़ी बात नहीं बोलना चाहता हूं, मेरे विधायक बनने से बांकीपुर से बैंगलोर नहीं बनेगा, लेकिन सुधार होगा। बड़ी बात ये है कि ये चुनाव बांकीपुर की नाली गली के लिए नहीं लड़ा गया है, लेकिन किसी अच्छे आदमी को सीएम बनाइए।

उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी का जो चाल चरित्र और चेहरा है वो पब्लिक डोमेन में है, अगर आप किसी अपराधी को सीएम बनाएंगे तो बिहार की तरक्की नहीं हो सकती है. उनके पास बहुमत है, किसी अच्छे, चरित्रवान, काबिल आदमी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाइए ताकि बिहार के लोग भी गर्व कर सकें।

बांकीपुर के नतीजों ने साफ कर दिया है कि कोई भी किला स्थायी नहीं होता. जब जनता बदलाव चाहती है तो पुराने गढ़ भी गिर जाते हैं। प्रशांत किशोर ने 30 दिन के अभियान में 30 साल का किला ढहा दिया है।

हरा-भरा...

सदियों से चली आ रही इस परंपरा में देवी की माध्यम विशेष आध्यात्मिक अवस्था में भक्तों तक माँ का संदेश पहुँचाती हैं। लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह आयोजन अटूट आस्था, विश्वास और देवी की कृपा का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार रंगम में व्यक्त संदेश माँ महांकाली का दिव्य आशीर्वचन माना जाता है, जो भक्तों को धर्म, सेवा और सदाचार के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।

रंगम अनुष्ठान के उपरांत सुबह लगभग 10:30 बजे पारंपरिक गज वाहन सेवा प्रारंभ हुई। इसके बाद घटम शोभायात्रा सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सिकंदराबाद बोनालु महोत्सव का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर ''जय महांकाली'' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। हजारों श्रद्धालुओं ने माँ के दर्शन कर परिवार, समाज, राज्य और समस्त मानवता के सुख, समृद्धि, उत्तम वर्षा, शांति और कल्याण की प्रार्थना की। इस वर्ष का रंगम आध्यात्मिक चेतना, लोककल्याण और माँ महांकाली की असीम कृपा का दिव्य संदेश बनकर श्रद्धालुओं के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया।

नवाज शरीफ...

बता दें कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की तथाकथित विधानसभा की 45 सीटों के लिए चुनाव 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच तीन चरणों में हो रहे हैं। तथाकथित पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर विधानसभा में 53 सीटें हैं, 45 सीटों पर सीधे चुनाव होते हैं, जबकि आठ सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स और धर्मगुरुओं के लिए आरक्षित हैं।

भारत न तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर पाक के कब्जे को मान्यता देता है और न ही इन चुनावों को। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश उसके अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। नई दिल्ली का यह भी कहना है कि पाकिस्तान ने इन केंद्र शासित प्रदेशों के कुछ हिस्सों पर गैर-कानूनी और जबरन कब्ज़ा कर रखा है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने मुजफ्फराबाद में अपनी बेटी और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के साथ एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि, अगर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज चुनाव जीतती है, तो वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कहेंगे कि वो मुझे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का प्रधानमंत्री बनाएं।

बता दें कि अक्टूबर 2023 में लंदन से पाकिस्तान लौटने के बाद नवाज शरीफ ने सक्रिय राजनीति में वापसी तो की, लेकिन उन्होंने खुद सरकार की कमान संभालने के बजाय पार्टी के संरक्षक की भूमिका अपनाई। 2024 के आम चुनाव में उन्होंने व्यापक चुनाव प्रचार नहीं किया और प्रधानमंत्री पद शहबाज शरीफ को सौंप दिया। तब से उनकी भूमिका मुख्य रूप से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की नीतियां तय करने, वरिष्ठ नेताओं के साथ रणनीतिक बैठकें करने तक है।

लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का प्रधानमंत्री बनने की सार्वजनिक इच्छा जाहिर कर नवाज ने नई चाल चली है।

बता दें कि पाकिस्तान 1947 से अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में एक अलग सरकार और प्रधानमंत्री का पद बना रखा है। ताकि वहां वह सेल्फ गवर्नेंस का कथित ढांचा दुनिया को दिखा सके। हालांकि रक्षा, विदेश नीति, वित्त और कई अहम फैसलों पर वास्तविक नियंत्रण इस्लामाबाद का ही रहता है।

सहानुभूति फैक्टर भुनाना चाहते हैं नवाज

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री बनने के लिए उम्मीदवार का वहां का निवासी और मतदाता होना जरूरी है। नवाज शरीफ पंजाब प्रांत से हैं और वर्तमान में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर विधानसभा के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने चुनाव भी नहीं लड़ा है।

कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक बिना विधानसभा सदस्य बने वे सीधे प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। अगर वे भविष्य में किसी सीट से चुनाव लड़कर जीत जाते हैं और बहुमत हासिल करते हैं, तभी रास्ता खुल सकता है। लेकिन पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है।

तो क्या उन्होंने हिंसा भरे माहौल में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सहानुभूति लेने के लिए प्रधानमंत्री बनने का दांव चला है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि नवाज शरीफ का यह बयान चुनावी रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है, जिससे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में पार्टी का आधार मजबूत हुआ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चुनाव में जीत का श्रेय नवाज शरीफ को दिया है। उन्होंने कहा, इस कामयाबी का सिलसिला पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष नवाज़ शरीफ़ और पूरी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज टीम की कड़ी मेहनत का नतीजा है। नवाज शरीफ और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज टीम ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कामयाब चुनावी अभियान चलाया।

शिव सरकार...

जाने के बाद खाली हुई थी। हालांकि, गायत्री ने अभी तक कर्नाटक विधान परिषद की सदस्य के रूप में आधिकारिक शपथ नहीं ली है। यही वजह है कि वह इस बार मंत्री पद की शपथ नहीं ले सकीं।

19 नए मंत्रियों के शपथ लेने के बाद भी कर्नाटक कैबिनेट में एक पद खाली है। नियम के मुताबिक, मुख्यमंत्री समेत राज्य में कुल 34 मंत्री हो सकते हैं।

मंत्री बनने के बाद क्या बोले पीएम नरेंद्रस्वामी?

शपथ लेने के बाद पीएम नरेंद्रस्वामी ने कहा कि 'मंत्री बनकर खुशी हो रही है और पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत की जाएगी। 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को दोबारा सत्ता में वापस लाना ही पहला लक्ष्य है। इसके साथ ही 2029 में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनते देखना हम सबका सपना है'।

कैबिनेट विस्तार से पहले नाराज थे कई विधायक

कैबिनेट विस्तार से पहले कई कांग्रेस विधायकों की नाराजगी की खबरें सामने आई थीं। इस पर सीएम डीके शिवकुमार ने सभी से सब्र रखने की बात कही थी। उनका कहना था कि हर विधायक को एक साथ मंत्री बनाना मुमकिन नहीं है, लेकिन आने वाले समय में बाकी नेताओं को भी मौका मिलेगा। मंत्री पद न मिलने से खफा इंदी सीट के विधायक यशवंतरायगौड़ा वी पाटिल ने इस्तीफा दे दिया। उनके समर्थकों ने विधानसभा के बाहर जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान, उनके समर्थकों ने विधान सौध के बाहर जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया।

दूसरी तरफ कांग्रेस आलाकमान ने विधानसभा अध्यक्ष के लिए जीएस पाटिल, उपाध्यक्ष के लिए ए.एस. पोन्नन्ना, विधान परिषद सभापति के लिए सलीम अहमद और उप-सभापति के लिए उमाश्री के नाम पर मुहर लगा दी है। मंत्रिमंडल में जगह न पाने वाले बड़े चेहरों में एचसी महादेवप्पा, एचके पाटिल, दिनेश गुंडू राव, के वेंकटेश, एमसी सुधाकर और लक्ष्मी हेब्बालकर शामिल हैं। इन वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार किए जाने से पार्टी के भीतर नाराजगी साफ महसूस की जा रही है।

कैबिनेट विस्तार के बाद भी कांग्रेस के सामने नेताओं के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती बनी हुई है। कई वरिष्ठ नेताओं को जगह नहीं मिलने से पार्टी के अंदर नाराजगी की चर्चा तेज है। हालांकि, नेतृत्व ने साफ किया है कि आने वाले समय में अन्य नेताओं को भी जिम्मेदारी दी जाएगी। अब कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती सरकार के कामकाज को आगे बढ़ाने के साथ संगठन को एकजुट रखना है।

सबसे ज्यादा...

आंकड़ों पर नजर डालें तो जून में भारत ने रूस से रोजाना 27 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था, जो जुलाई में बढ़कर रोजाना 28 लाख बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही भारत के कुल तेल आयात में रूसी क्रूड की हिस्सेदारी उछलकर 55.5 फीसदी हो गई है। रूस से इतनी भारी मात्रा में सप्लाई की मुख्य वजह रूसी कार्गो की लगातार उपलब्धता है। दरअसल, रूस के घरेलू रिफाइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए ड्रोन हमलों के बाद वहां की घरेलू रिफाइनिंग गतिविधियां कम हुई हैं, जिससे एक्सपोर्ट (निर्यात) के लिए रूस के पास ज्यादा कच्चा तेल उपलब्ध हो गया है।

एलपीजी सप्लाई में अमेरिका का दबदबा!

कच्चे तेल के अलावा भारत में गैस की जरूरतें पूरी करने में अमेरिका की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण हो गई है। जुलाई में भारत ने कुल 12 लाख टन से ज्यादा एलपीजी का आयात किया। इसमें से अकेले अमेरिका से ही 9 लाख टन एलपीजी का आयात किया गया जिससे भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिका से आने वाली सप्लाई की लगभग 73% हिस्सेदारी हो गई है।

खाड़ी देशों से भी बढ़ी खरीद

जुलाई के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल की आवाजाही कुछ समय के लिए सामान्य होने पर भारतीय कंपनियों ने खाड़ी (पश्चिम एशियाई) देशों से भी खरीदारी फिर शुरू कर दी थी। इसके असर से सऊदी अरब से जून के 2.9 लाख बैरल प्रतिदिन के मुकाबले जुलाई में आयात बढ़कर 4.2 लाख बैरल हो गया। वहीं इराक से क्रूड की सप्लाई जून के 67,100 बैरल की तुलना में जुलाई में लगभग दोगुनी होकर 1.3 लाख बैरल पहुंच गई। उधर कुवैत से भी क्रूड का आयात दोबारा शुरू हुआ, जहां से जुलाई में रोजाना 51,600 बैरल तेल की सप्लाई दर्ज हुई। यूएई से आयात जून के 5.1 लाख बैरल से घटकर जुलाई में 4.6 लाख बैरल रह गया, लेकिन यह अभी भी भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा सोर्स बना हुआ है।

रूस बना संकटमोचक

केप्लर की रिपोर्ट में बताया गया है कि पहले होर्मुज और अब बाब अल-मंडेब समुद्री मार्ग में जारी भू-राजनीतिक दिक्कतों के चलते रूसी कच्चे तेल की सप्लाई भारत के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प साबित हुई है। इस बीच वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 5 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई है, जिसके बाद ब्रेंट क्रूड टूटकर 83.53 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

बृजभूषण...

आपराधिक मामलों के वकील जेके शर्मा के मुताबिक, राज्य सरकार यानी दिल्ली पुलिस भी इस फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर सकती है। यदि राज्य को लगता है कि अदालत ने सबूतों का सही मूल्यांकन नहीं किया है, तो वह बरी किए जाने के आदेश को चुनौती दे सकता है।

उनका कहना है कि अगर सबूतों की गलत व्याख्या की गई है, तो यह तर्क दिया जा सकता है कि निचली अदालत ने गवाहों के बयानों या दस्तावेजों को समझने में गलती की है। इसके अलावा, यदि ट्रायल के दौरान किसी महत्वपूर्ण कानूनी पहलू या गवाह को नजरअंदाज किया गया हो, तो इस आधार पर भी फैसले को चुनौती दी जा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट का रास्ता भी खुला

यदि दिल्ली हाईकोर्ट से भी राहत नहीं मिलती है, तो मामला देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट में जा सकता है। वहां विशेष अनुमति याचिका के जरिए इस फैसले को चुनौती दी जा सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक की 23वीं वर्षगांठ संपन्न

23 वर्षों से निरंतर संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक समाजसेवा का प्रेरक उदाहरण : शरद बी. पित्ती

डोमलगुड़ा शाखा के हेल्थ क्लिनिक की 23वीं वर्षगांठ पर चिकित्सा सेवाओं से जुड़े चिकित्सकों एवं समाजसेवियों का हुआ सम्मान

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 23 वर्षों तक हेल्थ क्लिनिक का बिना किसी व्यवधान के निरंतर संचालन अत्यंत प्रशंसनीय है। यह विचार मुख्य अतिथि शरद बी. पित्ती ने अग्रवाल समाज तेलंगाना की डोमलगुड़ा शाखा, बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, माधव ऑटिज्म फाउंडेशन तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त सहयोग से संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक की 23वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए।

चिकित्सा सेवा मानव सेवा का सर्वोत्तम माध्यम

अपने संबोधन में शरद बी. पित्ती ने कहा कि चिकित्सा सेवा, मानव सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है। डोमलगुड़ा शाखा द्वारा पिछले 23 वर्षों से बिना किसी व्यवधान के निरंतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना पूरे समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने क्लीनिक के उद्देश्यों को और अधिक सार्थक एवं जनोपयोगी बनाने के संबंध में अपने सुझाव भी साझा किए।

उन्होंने अग्रवाल समाज की स्थापना के मूल उद्देश्यों, विशेष रूप से समाजहित के कार्यों तथा वर्तमान परिस्थितियों पर भी अपने विचार रखते हुए उपस्थित जनों का ध्यान इस दिशा में आकर्षित किया।

अन्य शाखाएं भी शुरू करें ऐसे सेवा प्रकल्प : अनिरुद्ध गुप्ता

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने डोमलगुड़ा शाखा को क्लीनिक के सफलतापूर्वक 23 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी। उन्होंने सुझाव दिया कि समाज की अन्य शाखाएं भी स्वतंत्र रूप से अथवा संयुक्त प्रयासों से इस प्रकार के हेल्थ क्लीनिक प्रारंभ करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सके।

सुजोक चिकित्सा सेवा की सराहना

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं तेलंगाना कांग्रेस भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने अपने जीवन में सुजोक थेरेपी से हुए लाभ का अनुभव साझा किया। उन्होंने शाखा द्वारा सुजोक चिकित्सा सेवा प्रारंभ किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के सहयोग पर प्रसन्नता

क्लीनिक की प्रमुख सहयोगी संस्था माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ ने क्लीनिक के 23 वर्ष पूर्ण होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डोमलगुड़ा शाखा द्वारा उनके फाउंडेशन को इस सेवा कार्य से जुड़ने का अवसर प्रदान करना उनके लिए गर्व और संतोष का विषय है।

महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ क्लीनिक परिसर में उपस्थित अतिथियों, शाखा पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने स्वागत भाषण देते हुए क्लीनिक की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा एवं उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

चिकित्सा सेवा के लिए किया गया सम्मान

क्लीनिक की स्थापना से लेकर अब तक निरंतर चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहे डॉ. आर. पी. तोषनीवाल को 'चिकित्सा रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही डॉ. शिखा केडिया (होम्योपैथिक) तथा एसजेटी कुसुम अग्रवाल को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इसी अवसर पर समाज की केंद्रीय समिति के कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, सभी जोनों के प्रमुख सुरेश टंडन, समाज के पूर्व अध्यक्ष अजीत गुप्ता, किडहुड प्ले स्कूल परिसर के स्वामी संतोष अग्रवाल, तथा डोमलगुड़ा शाखा के संस्थापक एवं परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी को शाखा के प्रति उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

सहयोगियों का किया गया अभिनंदन

कार्यक्रम में विनोद कुमार गर्ग, महावीर प्रसाद अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल सहित अन्य वक्ताओं ने क्लीनिक की सेवाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

वर्ष 2026-27 के लिए क्लीनिक को आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों के नामों का उल्लेख कर सभा में उनका अभिनंदन किया गया।

धन्यवाद प्रस्ताव के पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन अक्षय अग्रवाल ने किया।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम का संयोजन प्रदीप अग्रवाल तथा सहसंयोजन दिनेश पंसारी एवं जितेंद्र गोयल ने किया। इस अवसर पर शाखा के उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सचिव प्रतीक अग्रवाल, सहसचिव विजय कुंछल, कोषाध्यक्ष रोशनलाल मित्तल, पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल गुप्त, विजय जिंदल, क्लीनिक समिति के सदस्य, महिला समिति की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के सफल आयोजन में अंशुल अग्रवाल, सरला अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सपना अग्रवाल सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

हैदराबाद में दूसरी ब्रिक्स भ्रष्टाचार-विरोधी कार्य समूह की दो दिवसीय बैठक आज से

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की अध्यक्षता में हैदराबाद में 4-5 अगस्त को दूसरी ब्रिक्स भ्रष्टाचार-विरोधी कार्य समूह की बैठक आयोजित की जा रही है।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण की अध्यक्षता थीम के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन डीओपीटी की सचिव रचना शाह करेंगी और इसमें ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें वरिष्ठ नीति-निर्माता, भ्रष्टाचार-रोधी विशेषज्ञ, विशेषज्ञ और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

हैदराबाद की यह बैठक इस साल जून में हुई पहली ऑनलाइन एसीडब्लयूजी बैठक के बाद हो रही है और यह एसेट रिकवरी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने, सीमा-पार भ्रष्टाचार से निपटने और शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने पर केंद्रित होगी।

मुख्य चर्चाओं में भगोड़े अपराधियों का पता लगाने और प्रत्यर्पण प्रक्रियाओं में सहायता के लिए अनौपचारिक सहयोग को मजबूत करना, संपत्ति वसूली पर ब्रिक्स विशेषज्ञ नेटवर्क के माध्यम से सूचना-साझाकरण को बढ़ाना और फिनटेक, डिजिटल एसेट्स और उभरते डिजिटल वित्तीय साधनों से जुड़े भ्रष्टाचार के जोखिमों से निपटने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना शामिल होगा।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज की सावन की सैर उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज, हैदराबाद द्वारा रविवार, 2 अगस्त 2026 को आयोजित पारंपरिक 'सावन की सैर' कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समाज के महासचिव पंकज कुमार (सीए) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह आयोजन चिलकुर रोड स्थित ड्रीम वैली रिसॉर्ट में पूरे दिन विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ आयोजित किया गया।

सुबह लगभग 10 बजे समाज के सदस्य रिसॉर्ट पहुंचे, जहां समाज की उपाध्यक्ष अनीता राय ने सभी का आत्मीय स्वागत किया।

जलपान के बाद कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई।

महिला शाखा की अध्यक्ष गीतू शर्मा के निर्देशन में कार्यकारिणी सदस्य पूजा मिश्रा एवं प्रियंका सिंह ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया। सभी आयु वर्ग के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अनीता राय, निवेदिता, आभा कुमार, प्रियंका सिंह, राजेश राय, गीतू शर्मा, राहुल सिंह, पंकज कुमार, सुजीत ठाकुर सहित अन्य विजेताओं को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भोजन के बाद सभी सदस्यों ने तंबोला और अंताक्षरी का आनंद लिया। इसके अतिरिक्त रिसॉर्ट में उपलब्ध तैराकी, रॉक क्लाइम्बिंग तथा विभिन्न जल क्रीड़ाओं में भी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दिनभर का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीत गाए, लोकधुनों पर नृत्य प्रस्तुत किया तथा भगवान शिव की नचारी गाकर सावन की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक छटा को जीवंत कर दिया।

महिलाओं ने अपने हाथों पर सावन की मेहंदी भी रचाई। समाज की ओर से उन्हें चूड़ियां, बिंदी, आलता, मेहंदी सहित सावन के विशेष उपहार भेंट किए गए, जबकि बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकारिणी सदस्य प्रेमशंकर सिंह, स्वप्निल राय, पूर्व अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, सुजीत ठाकुर, गोविंद जी राय, विनोद राय, डॉ. आशा मिश्रा, मीतू शर्मा, आइशु शर्मा सहित अनेक सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य एस. एन. राय, डॉ. के. एन. राय, उषा राय एवं रीता मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में नेहा, सरोज सिंह, पिंकी राय, रविन्द्र कुमार, पिंटू सिंह, जयकिशोर सिंह, दीपक, कुणाल, प्रतिभा शर्मा, जी. पी. शर्मा, सत्य प्रकाश, रवीश कुमार, इंदुभूषण, माधुरी ठाकुर, सृष्टि ठाकुर, रमा देवी, किरण सिंह, भूषण सिंह, अनीता सिंह, सुशील सिंह, मोती मिश्रा, रेयांश मिश्रा, आदित्री सिंह, ममता कुमारी, राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य एवं उनके परिवार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर महिला शाखा की अध्यक्ष गीतू शर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए समाज द्वारा 14 एवं 15 अगस्त को परशुराम मंदिर, जगतगीरगुट्टा में आयोजित होने वाले अष्टयाम एवं अखंड रामायण कार्यक्रम में सहभागिता के लिए सभी को आमंत्रित किया। अंत में अल्पाहार एवं चाय के साथ सावन की सैर का समापन हुआ।

बीआरसी स्थापित करने के लिए 10 बैचों में 56 जिला स्तरीय अधिकारियों और 318 महिला उद्यमियों को प्रशिक्षित किया

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) और ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी (एसईआरपी), तेलंगाना सरकार ने राज्य में प्राकृतिक खेती को गति देने के लिए हाथ मिलाया है । राजेंद्रनगर हैदराबाद में स्थित राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) ने हाल ही में तेलंगाना राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बायोइनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) स्थापित करने के लिए 10 बैचों में 56 जिला स्तरीय अधिकारियों और 318 महिला उद्यमियों को प्रशिक्षित किया है । यह पहल राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के तहत राज्य भर में 326 बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) स्थापित करने के लिए कृषि विभाग के सहयोग से ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी (एसईआरपी) द्वारा की गई है । एसईआरपी ने एनआईपीएचएम में प्रशिक्षण के लिए विभिन्न जिलों से महिला प्रतिभागियों की पहचान और उन्हें जुटाकर कार्यक्रम को सुगम बनाया है । प्रशिक्षित महिला उद्यमियों को ग्राम स्तर पर बायोइनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) स्थापित करने के लिए आवश्यक उपकरण और सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

कम वर्षा की स्थिति में विविध फसल कृषि को बनाए रखने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती को अपनाने में महिला किसानों को सक्षम बनाने के लिए डॉ तारा सत्यवती महानिदेशक एनआईपीएचएम के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। डॉ. ओ.पी. शर्मा, निदेशक पीएचएम ने बताया कि प्रशिक्षित महिलाएं इकोफ्रेंडली सामग्री जैसे जीवमृत, बीजमृत, दशपर्णी अर्क, अगनास्त्र आदि तैयार करेंगी ताकि वे क्लस्टर में अपने और अन्य किसानों के खेतों में उपयोग कर सकें।

इन तैयारियों का उपयोग करके, कीट नियंत्रण के लिए महंगे रासायनिक कीटनाशकों के अनुप्रयोग से बचा जा सकता है। इन केंद्रों के माध्यम से, प्रशिक्षित महिलाएं अन्य ग्रामीण महिलाओं को कम लागत वाली कृषि तकनीकों का प्रसार करेंगी और मिट्टी और पौधों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए स्थानीय रूप से तैयार बायो-इनपुट प्रदान करेंगी ।

एसईआरपी, तेलंगाना की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रीमती दिव्या देवराजन, आईएएस और एनआईपीएचएम को क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रशिक्षण योजना तैयार करने, प्रतिभागियों को जुटाने और धन जुटाने में मुख्य परिचालन अधिकारी, सुश्री राजिता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । एसईआरपी अधिकारियों, श्रीमती अरुणा श्री, एओ और उनकी टीम, श्री प्रताप और सुश्री दिविजा ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए किसान समूहों और एनआईपीएचएमएच के साथ समन्वय किया है ।

एनआईपीएचएम के रजिस्ट्रार श्री के. श्रीनिवास ने कार्यक्रम के लाभार्थियों के साथ बातचीत की और कहा कि एनआईपीएचएम और एसईआरपी के बीच सहयोग राज्य में प्राकृतिक खेती के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है ।

भव्य साधना-भक्तिरस चातुर्मास एवं शिवपुराण कथा में उमड़ा श्रद्धा का सागर

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोइनपल्ली स्थित श्री गणेश हार्डवेयर एंड प्लाईवुड, बापूजी नगर में आयोजित भव्य द्वैमासिक साधना-भक्तिरस चातुर्मास एवं शिवपुराण कथा के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

यह आयोजन पूज्य गुरुदेव महंत भवरगिरीजी महाराज (निबली मांडा, मारवाड़, पाली) के पावन सानिध्य में संपन्न हो रहा है। कथा का वाचन स्वामी हीरपुरी महाराज द्वारा किया जा रहा है।

कथा के दौरान स्वामी हीरपुरी महाराज ने दिव्य रामचरितमानस के शिव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए सावन माह के सोमवार की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने भगवान भोलेनाथ की महिमा का वर्णन करते हुए भगवान शिव एवं माता सती द्वारा महर्षि अगस्त्य के आश्रम में रामकथा श्रवण, माता सती के संशय तथा भगवान श्रीराम की परीक्षा से जुड़े प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि रामकथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि जीवन जीने की सर्वोत्तम कला सिखाती है। कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण ही सबसे श्रेष्ठ साधन है।

भगवान शिव स्वयं भी सदैव प्रभु श्रीराम के नाम का स्मरण करते हैं और इसी कारण नाम-स्मरण का विशेष महत्व बताया गया है।

पूज्य गुरुदेव महंत भवरगिरीजी महाराज ने श्रद्धालुओं को भक्ति, सत्संग और धर्ममार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा, सेवा और सत्कर्म से ही मानव जीवन सफल बनता है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में रूघाराम गेहलोत, माँगीलाल सोलंकी, नेमाराम पंवार, नवलाराम पंवार, वक्ताराम पंवार, ताराराम पंवार, जगदीश गेहलोत सहित अन्य श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। कथा के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर शिवपुराण एवं रामकथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

उदय कृष्णा रेड्डी मामला: पुलिस ने मांगी 7 दिन की कस्टडी

डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच तेज

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर का चर्चित मामला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी के खिलाफ दर्ज मामले की जांच लगातार नए चरण में प्रवेश कर रही है। जांच कर रही पुलिस ने अदालत में कस्टडी याचिका दाखिल कर आरोपी को सात दिन की पुलिस हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया है। पुलिस का कहना है कि मामले के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत पूछताछ अभी बाकी है और सच्चाई तक पहुंचने के लिए आरोपी से आमने-सामने पूछताछ आवश्यक है।

पुलिस ने अदालत को बताया कि जांच के दौरान बरामद किए गए आरोपी के लैपटॉप और आईफोन को वैज्ञानिक जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजा गया है। इन डिजिटल उपकरणों से प्राप्त होने वाले इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मामले की जांच में अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुलिस को उम्मीद है कि चैट, कॉल रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियां और अन्य डिजिटल डेटा से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

जांच के दौरान एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। पुलिस को जानकारी मिली है कि आरोपी ने कथित रूप से एक अन्य युवती से भी इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क कर विवाह का झांसा देने का प्रयास किया था। इस सूचना की भी जांच की जा रही है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक पुलिस ने कोई आधिकारिक निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया है और जांच जारी है।

मामले में दो प्रमुख गवाहों के बयान भी जांच के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। पुलिस इन बयानों का डिजिटल साक्ष्यों के साथ मिलान कर घटनाक्रम की पुष्टि करने में जुटी है। इसके साथ ही पुलिस आर्थिक लेन-देन के पहलू की भी गहन जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि मामले में किसी प्रकार का वित्तीय दबाव, लेन-देन या अन्य संबंधित परिस्थितियां तो नहीं थीं।

गौरतलब है कि इस मामले में एक महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी ने उदय कृष्णा रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी का कहना है कि उपलब्ध सभी साक्ष्यों, गवाहों के बयानों, डिजिटल रिकॉर्ड और फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर निष्पक्ष जांच की जा रही है।

अब सभी की निगाहें अदालत के निर्णय पर टिकी हैं। यदि अदालत पुलिस की कस्टडी याचिका स्वीकार करती है, तो जांच एजेंसी आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर मामले के विभिन्न पहलुओं का सत्यापन करेगी। वहीं, अदालत का अंतिम आदेश आने तक पुलिस जांच जारी रखी हूई है ।

प्रधानमंत्री ने आंप्र में पावरग्रिड की दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण किया

विशाखापत्तनम, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम, की दो महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पित किया तथा एक नई ट्रांसमिशन परियोजना की आधारशिला रखी। यह भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन यात्रा एवं हरित ऊर्जा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

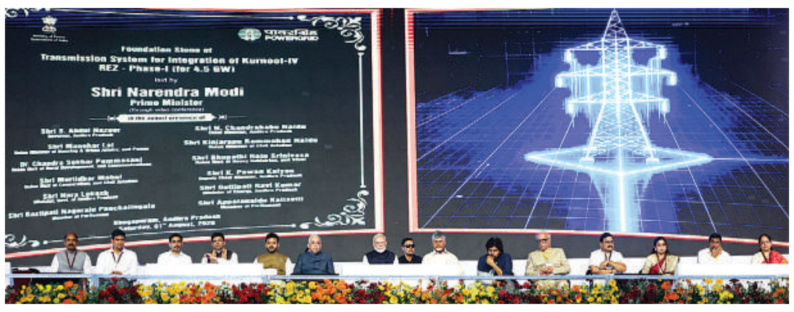

इस अवसर पर श्री एस. अब्दुल नज़ीर, माननीय राज्यपाल, आंध्र प्रदेश, श्री पुसापति अशोक गजपति राजू, माननीय राज्यपाल, गोवा, श्री एन. चंद्रबाबू नायडू, माननीय मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश, श्री के. पवन कल्याण, माननीय उपमुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश, श्री किंजारापु राममोहन नायडू, माननीय केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, माननीय केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री, श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, माननीय केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री तथा श्री नारा लोकेश, माननीय सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, मानव संसाधन विकास एवं आरटीजी मंत्री, आंध्र प्रदेश सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

माननीय प्रधानमंत्री ने पावरग्रिड द्वारा विकसित दो प्रमुख ट्रांसमिशन परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें लगभग 3,547 करोड़ की लागत से विकसित कर्नूल विंड एनर्जी ज़ोन/सोलर एनर्जी ज़ोन (आंध्र प्रदेश) ट्रांसमिशन प्रणाली – भाग-ए,एवं भाग-बी तथा लगभग 823 करोड़ की लागत से विकसित ''अनंतपुरम (2,500 मेगावाट) एवं कर्नूल (1,000 मेगावाट) सोलर एनर्जी ज़ोन हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली'' शामिल हैं। इन परियोजनाओं का विकास कर्नूल एवं अनंतपुरम नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उत्पादित हरित ऊर्जा की निर्बाध निकासी तथा राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देशभर के लाभार्थियों तक इसके सुचारु पारेषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

इसके साथ ही माननीय प्रधानमंत्री ने लगभग 5,550 करोड़ की लागत से विकसित की जाने वाली '' कर्नूल -4 नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र (आरईज़ेड) – चरण-1 (4.5 गीगावाट) के एकीकरण हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली'' की आधारशिला भी रखी। यह परियोजना कर्नूल नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 4.5 गीगावाट हरित ऊर्जा के राष्ट्रीय ग्रिड में एकीकरण हेतु अंतर्राज्यीय ट्रांसमिशन नेटवर्क को और सुदृढ़ करेगी। इन दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं के राष्ट्र को समर्पण तथा कर्नूल -4 आरईज़ेड ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला भारत की हरित ऊर्जा अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। ये ट्रांसमिशन प्रणालियाँ देशभर में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी पारेषण को सक्षम बनाएंगी तथा वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देंगी, जिससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन यात्रा को और गति मिलेगी।

30 जून 2026 तक पावरग्रिड 291 सब-स्टेशनों, 1,86,595 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों तथा 6,34,516 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता को कमीशन कर प्रचालित कर रहा है। उन्नत प्रौद्योगिकियों, स्वचालन तथा डिजिटल समाधानों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से पावरग्रिड ने लगातार 99.80% से अधिक ट्रांसमिशन प्रणाली उपलब्धता बनाए रखी है।

तेरापंथ भवन में एक साथ 8 श्रद्धालुओं ने किया अठाई तपस्या का प्रत्याख्यान

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्मणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी के पावन सान्निध्य में प्रातःकालीन प्रवचन के दौरान एक साथ आठ श्रद्धालुओं ने अठाई (आठ दिन) की निराहार तपस्या का प्रत्याख्यान ग्रहण किया। इस अवसर पर सम्पूर्ण सभागार तपोभावना से ओत-प्रोत हो उठा।राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार अठाई तपस्या का प्रत्याख्यान ग्रहण करने वाले तपस्वियों में रविप्रकाशजी कोटेचा, नीलमजी कोटेचा, नीतूजी डागा, खुशबूजी बैद-रुपानी, संजूजी वोहरा, राजेन्द्रजी बैद, आरतीजी तलेसरा एवं रजनीजी श्यामसुखा शामिल रहे। इस पावन अवसर पर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा सभी तपस्वियों का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।इस अवसर पर प्रेरक उद्बोधन देते हुए मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि, ''जैसे श्रावण का महीना वर्षा ऋतु का प्रतीक है, वैसे ही यह तपस्या का भी श्रेष्ठ मौसम है। जैन धर्म में तप का अत्यंत महत्व-पूर्ण स्थान है। इतिहास में अनेक महान तपस्वियों ने तप के माध्यम से आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। तपस्या वही कर सकता है जिसमें दृढ़ मनोबल, साहस और आत्मविश्वास हो। आज के समय में, जब चारों ओर स्वादिष्ट व्यंजनों का आकर्षण है, ऐसे वातावरण में आठ दिन तक निराहार रहकर तप करना वास्तव में आत्मशक्ति का अद्भुत उदाहरण है।उन्होंने आगे कहा कि 'तपस्या कभी भी किसी दबाव या दिखावे के लिए नहीं होती। यह पूर्णतः स्वेच्छा से, केवल कर्मों की निर्जरा और आत्मशुद्धि के उद्देश्य से की जाती है। गुरु कृपा से आज सिकंदराबाद के तेरापंथ भवन में एक साथ आठ अठाई तपस्याओं का शुभारंभ हुआ है। आशा है कि भविष्य में भी तपस्या के ऐसे अनुपम उपहार समाज को निरंतर प्राप्त होते रहेंगे।

अपने उद्बोधन के अंत में मुनिश्री ने तपस्वियों को समर्पित अपनी स्वरचित तप-गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर मुनिश्री काव्य कुमारजी ने भी तप की महिमा पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। तपस्वियों के परिजनों द्वारा भी अपने भाव व्यक्त किए गए तथा भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

युवाओं को धोखा दे रही है कांग्रेस सरकार, दो साल में दस हजार नौकरियां भी नहीं मिलीं: केटी रामाराव

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने नौकरियां देने के अपने वादे को पूरा न करके तेलंगाना के युवाओं के साथ विश्वासघात किया है।श्री राव ने तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में सरकार के जॉब कैलेंडर को बेरोजगार कैलेंडर बताया।

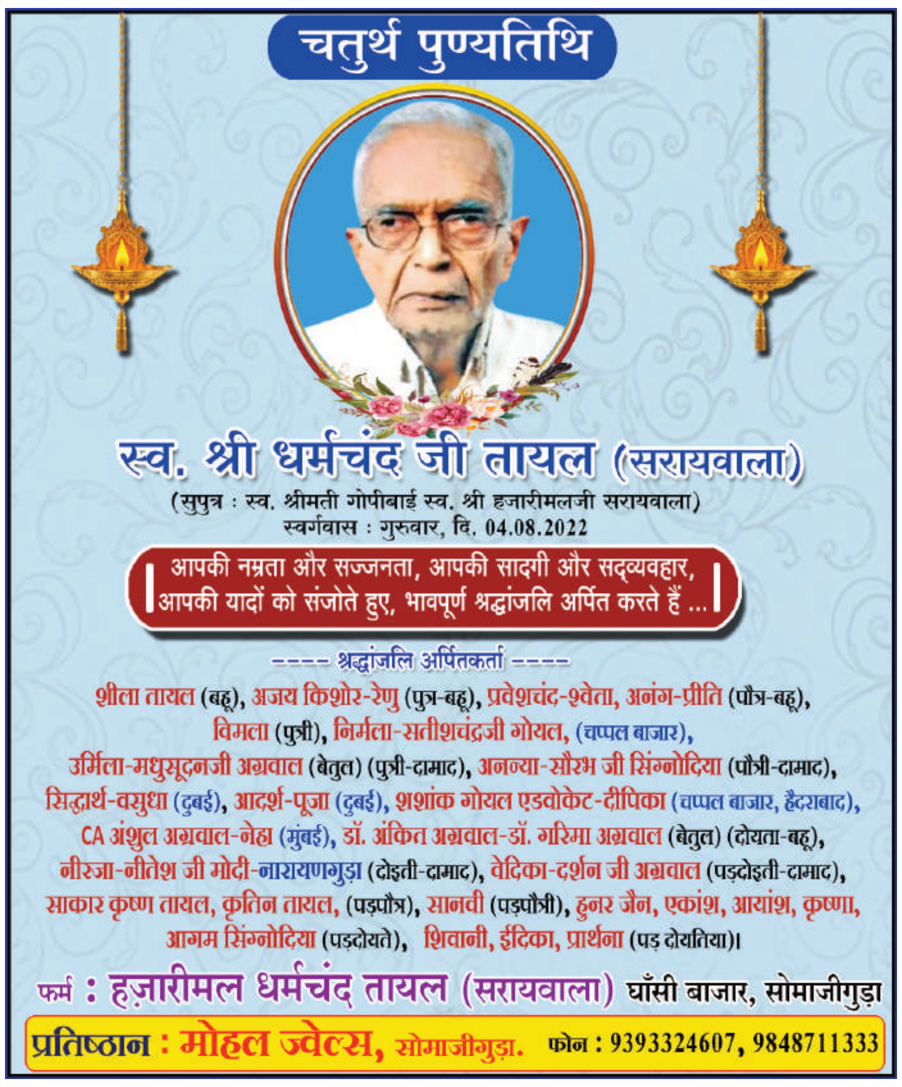

नशे में धुत मां पर 9 माह की मासूम बेटी की हत्या का आरोप

हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के समीप स्थित एलबी नगर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरामलगुड़ा स्थित गुड़ा झील में सोमवार को एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। आरोप है कि इंजापुर निवासी 34 वर्षीय लोकासानी राजेश्वरी ने कथित रूप से नशे की हालत में अपनी ही 9 माह की मासूम बेटी लोकासानी अनुराधा को झील के पानी में डुबो दिया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक, आक्रोश और स्तब्धता का माहौल है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही एलबी नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने तक झील के आसपास बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों का जमावड़ा लग गया था। एल बी पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से बच्ची को झील से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आसपास के लोगों के बयान दर्ज करने के साथ-साथ अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया है।

जांच के दौरान पुलिस ने बच्ची की मां लोकासानी राजेश्वरी (34) को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को संदेह है कि घटना के समय वह शराब के नशे में थी।

हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। महिला की मानसिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थितियों तथा घटना से पहले की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

इस दर्दनाक घटना के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने मासूम बच्ची की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की।

लोगों ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में एक मासूम बच्चे की जान जाना अत्यंत दुखद और अस्वीकार्य है। कई लोगों ने दोषी के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो कठोर सजा दिलाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और समाज में बच्चों की सुरक्षा के प्रति स्पष्ट संदेश जाए।

पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण और परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.